हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 117, पृष्ठ 4, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 11 अक्टूबर, 2021 दिन सोमवार | गाजीपुर/वाराणसी

लखीमपुर में किसानों से मिलने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री अभी तक नहीं गए : प्रियंका

काशी में बोलीं प्रियंका वाड्रा, इस सरकार में कोई सुरक्षित नहीं

वाराणसी। किसान आंदोलन को लेकर कांग्रेस की महासचिव प्रियंका वाड्रा इंडियो एयरलाइंस के विमान से रविवार को वाराणसी पहुंचीं। लाल बहादुर शास्त्री इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सीधे श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के लिए रवाना हुईं। यहां से दर्शन-पूजन के बाद दुगार्कुंड में मां कूष्मांडा मंदिर पहुंचीं। जगतपुर में पार्टी की किसान न्याय रैली में को संबोधित करते हुए कहा कि लखीमपुर में किसानों से मिलने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री अभी तक नहीं गए। दुनिया के कोने-कोने तक पीएम घूम सकते हैं, देश-देश भ्रमण कर सकते हैं लेकिन अपने देश के किसानों से भेंट करने नहीं जा सकते। किसान आन्दोलन में अब तक 600 किसानों की मौत हुई लेकिन अभी भी आंदोलन जारी है क्योंकि किसानों को पता है कि हमारे फसल की कीमत उचित नहीं मिलेगी। सबकुछ पूंजीपतियों के हाथ में चला जायेगा। मोदी जी ने आंदोलन कर रहे किसानों को आन्दोलनजीवी कहा, आतंकी कहा। योगी ने किसानों को उपद्रवी कहा। लखीमपुर में देखा कि देश 6 किसानों को निर्ममता से कुचल दिया। पीड़ित किसानों ने न्याय की मांग की। मैं रात में वहां जाने की कोशिश की तो पुलिस की घेरेबंदी कर मुझे रोकने का प्रयास किया गया। लेकिन अपराधी को पकड़ने को पुलिस नहीं भेजा गया। आरोपी को पुलिस ने निमंत्रण दिया, इतिहास में कभी आपने देखा और सुना नहीं होगा।आजादी का अमृत महोत्सव जो मनाया जा रहा है वो आजादी हमें किसानों ने दिया है, किसान के बेटों ने दिया है। पुलिस प्रशासन विपक्ष के नेताओं को रोकने की कोशिश की। पीड़ित परिवार को नजरबंद किया गया । अपराधियों पर कोई लगाम नहीं है। जिसके बेटे ने ऐसा काम किया उसको बचाने का काम सरकार कर रही है। जो सीएम लखीमपुर जा सकते थे वे उनके हाथ पकड़ने और आंशु पोछने नहीं पहुंचे। इस सरकार में न दलित सुरक्षित हैं, न अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं, न महिला

सुरक्षित हैं, न नौजवान सुरक्षित हैं। इस देश में केवल प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और उनसे जुड़े लोग और उनके खरबपति मित्र सुरक्षित हैं।

प्रियंका ने कहा कि जो मैंने दो वर्षों में देखा उसका जिक्र कर रही हूं। सोनभद्र में नरसंहार हुआ जिसमें 13 लोगों को मारा गया, जब मैं मिलने गयी तो बहुत कष्ट हुआ। लोग मुझसे बोले मुझे रुपये नहीं न्याय चाहिए। उसके बाद मैं उन्नाव में गयी वहां भी इसी तरह का घटना हुआ। उस मामले में भाजपा के पूर्व विधायक और भाजपा से जुड़े लोग शामिल थे। कोरोना के समय सरकार मदद नहीं की। अस्पतालों में ऑक्सीजन खत्म हो गया था, लोग काफी परेशान हुए। कोरोना के समय रिपोर्ट आई कि हर जगह समस्या है। सरकार ने मदद नहीं की उसके बाद हाथरस कांड हुआ जिसमें एक बेटी को न्याय नहीं मिला। एक पिता से उसके बेटी का दाह संस्कार नहीं करने दिया गया। मुझसे परिवार ने बोला था कि दीदी न्याय चाहिए। प्रियंका ने कहा कि अपने अंतरतम में झांकिए एक सवाल पूछिये। तरक्की आयी है। विकास आपके द्वार आया कि नहीं। जीवन में तरक?की नहीं हुई तो मेरे साथ कंधा से कंधा मिलाकर सरकार को बदलिए। जो आपको आतंकवादी कहते हैं उनको न्याय देने के लिए मजबूर करिये, कांग्रेस के नेता कार्यकर्ता किसी से नहीं डरते हैं। हमें जेल में डालिये, कुंचलिये लेकिन जबतक न्याय नहीं मिलेगा हम लड़ते रहेंगे, लड़ते रहेंगे, लड़ते रहेंगे। चुनाव की बात नहीं है, अब देश की बात है।समय आ गया है अब। ये देश आपका देश है इस देश को कौन बचाएगा,आप किसान हो इस देश की आत्मा हो। जो आपको आंदोलनकारी कहते है उनको न्याय के लिए मजबूर करिये। कांग्रेस के कार्यकर्ता किसी से नहीं डरते। हम कांग्रेस के कार्यकर्ता है हमें कोई चुप नहीं करा सकता। कोरोना के समय तमाम छोटे व्यपारी को रोजगार बंद करना पड़ा। सरकार ने राहत नहीं दी। प्रधानमंत्री ने दो हवाई जहाज खरीदे। एक हवाई जहाज आठ हजार करोड़ के खरीदे। अपने दोस्तों को बेच दी एयरलाइन। 16 हजार करोड़ का दो हवाई जहाज खरीद और अपने दोस्तों को फायदा पहुंचाने के लिए सरकार ने पूरी एयर इंडिया को 15 हजार करोड़ में ही अपने पूंजीपति और खरबपति मित्र को बेच दी।

पाकिस्तान के परमाणु बम के जनक अब्दुल कादिर खान का निधन, कोरोना से थे संक्रमित

इस्लामाबाद। दुनियाभर में परमाणु तकनीक की तस्करी को लेकर कुख्यात रहे पाकिस्तानी परमाणु बम के जनक डॉ. अब्दुल कादिर खान का रविवार को निधन हो गया। उन्होंने 85 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। कोरोना होने के बाद अब्दुल कादिर खान पिछले दिनों जिंदगी और मौत से जूझ रहे थे। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पाकिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी असोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान के अनुसार 85 साल के डॉ खान को 26 अगस्त को रिसर्च लेबोरेटरिज हॉस्पिटल में कोविड संक्रमित होने के बाद भर्ती किया गया था। इसके बाद उन्हें रावलपिंडी में सेना के एक अस्पताल में भर्ती किया गया था। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार इससे पहले उन्हें संक्रमण बढ़ने के कारण वेंटिलेटर पर रखा गया था। भोपाल (भारत) में जन्मे अब्दुल कदिर खान को पाकिस्तानी परमाणु बम विस्फोट करने के बाद देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार दिया गया था। पाकिस्तान में डॉ. कादिर खान को पाकिस्तान में 'मोहसिन-ए-पाकिस्तान' यानी पाकिस्तान का रक्षक भी कहा जाता था। अब्दुल कादिर खान ने अस्पताल में भर्ती होने के दौरान आरोप लगाया था कि देश की इतनी सेवा करने के बाद न तो प्रधानमंत्री इमरान खान और न ही उनकी कैबिनेट के किसी सदस्य ने उनका हालचाल लिया।

लखीमपुर पर वरुण ने खोला मोर्चा: अब बोले भाजपा सांसद हिंसा को हिंदू बनाम सिख में बदलने की कोशिश, ये अनैतिक

नोएडा। लखीमपुर खीरी जिले के तिकुनिया में तीन अक्तूबर को हुई हिंसा के बाद से भाजपा सांसद वरुण गांधी लगातार सरकार को निशाना बना रहे हैं। लखीमपुर हिंसा के बाद वरुण ने एक वीडियो शेयर कर दोषियों को सजा दिलाने की मांग की थी। साथ ही इस मुद्दे पर योगी सरकार को पत्र लिखा था। इससे पहले भी गन्ने के मुद्दे पर उन्होंने सीएम योगी को चिट्ठी लिखी थी। आज फिर से वरुण गांधी ने ट्वीट कर सरकार पर निशाना साधा है। रविवार को भाजपा सांसद वरुण गांधी ने लखीमपुर हिंसा को लेकर योगी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा को हिंदू बनाम सिख की लड़ाई में बदलने की कोशिश की जा रही है। वरुण गांधी ने कहा कि ऐसी कोशिश न केवल अनैतिक और झूठी है बल्कि, उन घावों को फिर से कुरेदना खतरनाक है। जिन्हें ठीक होने में कई पीढ़ी लगी है। उन्होंने कहा कि हमें राष्ट्रीय एकता से ऊपर राजनीतिक का लाभ नहीं रखना चाहिए।

किसानों के समर्थन में लगातार ट्वीट कर रहे वरुण गांधी- लखीमपुर खीरी में तीन अक्तूबर को हुई हिंसक घटना के बाद से वरुण गांधी लगातार किसानों के समर्थन में ट्वीट कर रहे हैं। वह इस संबंध में योगी सरकार को खत भी लिख चुके हैं और पीड़ित परिवारों के लिए इंसाफ और दोषियों के लिए सजा की मांग कर चुके हैं।

किसानों को मिलना चाहिए न्याय- वरुण गांधी ने तीन अक्तूबर की घटना के बाद एक वीडियो को पोस्ट कर लिखा है कि, 'यह वीडियो बिल्कुल साफ है। प्रदर्शनकारियों को हत्या से चुप नहीं कराया जा सकता। मासूम किसानों का जो खून बहा है उसकी जवाबदेही तय होनी ही चाहिए और न्याय मिलना ही चाहिए। किसानों के सामने ऐसा संदेश नहीं जाना चाहिए कि हम क्रूर हैं।

हिंसा का वीडियो शेयर कर दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की थी- पांच अक्तूबर को भाजपा सांसद वरुण गांधी ने लखीमपुर खीरी हिंसा का एक वीडियो अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया। उन्होंने कहा कि लखीमपुर खीरी में किसानों को गाड़ियों से जानबूझकर कुचलने का यह वीडियो किसी की भी आत्मा को झखझोर देगा। उन्होंने पुलिस से इस वीडियो का संज्ञान लेकर गाड़ियों के मालिकों, इनमें बैठे लोगों और इस प्रकरण में संलिप्त अन्य व्यक्तियों को चिन्हित कर तत्काल गिरफ्तार करने को कहा था।

वरुण गांधी ने सीएम योगी को लिखी चिट्ठी, कहा- 400 रुपये प्रति क्विंटल किए जाएं गन्ने के दाम- इससे पहले, भाजपा सांसद वरुण गांधी ने गन्ने के मूल्य में 25 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि करने के लिए यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया था, लेकिन उन्होंने कहा है कि खाद, बीज, पानी और बिजली की बढ़ी कीमतों के कारण यह मूल्य वृद्धि अपर्याप्त है। उन्होंने इसे बढ़ाकर 400 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग की थी।

आशीष मिश्रा 'मोनू' को रिमांड पर लेगी पुलिस, कल कोर्ट में अर्जी डालेगी लखीमपुर खीरी की पुलिस टीम

लखनऊ। लखीमपुर खीरी में सात दिन पहले उपद्रव के बाद हिंसा में चार किसानों के साथ आठ लोगों की मौत के मामले में मुख्य आरोपित आशीष मिश्रा अर्जी भी डालेगी। लखीमपुर खीरी क्राइम ब्रांच की टीम सोमवार को लखीमपुर खीरी की एक कोर्ट में आशीष मिश्रा उर्फ मोनू की रिमांड के लिए एक आवेदन दायर करेगी।

'मोनू' की शनिवार को गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस की सक्रियता और बढ़ गई है। पुलिस अब केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे मोनू को पूछताछ के लिए रिमांड पर लेने के प्रयास में है। पुलिस इसको लेकर सोमवार को रिमांड मजिस्ट्रेट के समक्ष अपनी पुलिस का प्रयास इस हिंसा के मामले में हकीकत सामने लाने का है। आशीष मिश्रा को कल रात गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। उत्तर प्रदेश के एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने बताया कि लखीमपुर खीरी पुलिस ने केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा की हिरासत लेने के लिए आवेदन किया है। हम प्रयास में हैं कि आशीष को कस्टडी में लेकर तीन अक्टूबर की घटना के बारे में पूछताछ करें। आशीष मिश्रा का नाम प्राथमिकी रिपोर्ट में दर्ज है। जिसमें आरोप लगाया गया था कि वह लखीमपुर खीरी में चार किसानों को कुचलने वाले वाहनों में से एक में था। लखीमपुर खीरी हिंसा के प्रकरण में करीब सात दिन बाद आशीष मिश्रा के साथ ही अन्य दो की गिरफ्तारी के बाद अब सभी की निगाह पुलिस की अगली कार्रवाई पर है। लोगों का कहना है कि आशीष कई फोन लेकर चलता है। इस केस की जांच कर रही पुलिस टीम ने अभी तक उसके फोन के बारे में कोई भी जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। लखीमपुर खीरी में 12 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ के बाद शनिवार को हत्या के आरोप में आरोपी आशीष मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया गया।

बसपा तथा कांग्रेस के आधा दर्जन से अधिक पूर्व विधायक व एमएलसी भाजपा में शामिल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव की आहट के बीच में नेताओं का पाला बदलने का क्रम जारी है। समाजवादी पार्टी के बाद अब बड़ी संख्या में नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में रविवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह के साथ भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह ने विभिन्न दलों से आने वाले नेताओं को भाजपा की सदस्यता दिलाई। भाजपा उत्तर प्रदेश के मुख्यालय में रविवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के आए 17 नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ली। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह ने इन सभी को भाजपा की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश तो उत्तम प्रदेश बन रहा है। प्रदेश में चौतरफा विकास होने के साथ ही कानून का राज स्थापित हुआ है। हमारी सरकार के कार्यकाल में सभी योजना का लाभ एक-एक व्यक्ति को मिला है। अब तो लक्ष्य 2024 तक हर गरीब को पक्का मकान का है। गोरखपुर जिले के सहजनवा और महराजगंज के पनियरा से विधायक रहे पूर्व राज्यमंत्री देव नारायण सिंह उर्फ जीएम सिंह ने बसपा से इस्तीफा देने के बाद नया ठिकाना भाजपा में खोज लिया है। वह भाजपा में शामिल होने का मौका तलाश रहे थे। पूर्व विधायक जीएम सिंह ने बसपा से इस्तीफे की सूचना फेसबुक पर भी शेयर की। इनके साथ ही सहारनपुर नगर से बहुजन समाज पार्टी से विधायक रहे मुकेश दीक्षित भी आज भाजपा में शामिल हो गए। बहुजन समाज पार्टी से विधान परिषद सदस्य रहे बिजनौर के सुबोध पाराशर पूर्व जिला पंचायत सदस्य रहीं अपनी पत्नी गायत्री पाराशर के साथ भाजपा में शामिल हो गए। कुशीनगर के हाटा से बसपा नेता वीरेन्द्र सिंह सैथवार के साथ ही बाराबंकी के हैदरगढ़ से कांग्रेस के टिकट पर 2012 में चुनाव लड़े आरके चौधरी ने भाजपा ज्वाइन की।

खनन क्षेत्र में 50 फीट खाई में अनियंत्रित होकर गिरी हाइवा ट्रक, मौके पर ड्राइवर की मौत

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के धूरियां जिगना पहाड़ी पर रविवार को सायं लगभग 4 बजे खदान से पत्थर लादकर कर क्रेशर प्लांट के डग में गिराने जा रही ट्रक चढ़ाई पर बैक हो करके खाई में पलट गई जिससे डंपर चालक की मौत हो गई। घटना के बाद सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है। क्षेत्र के क्रेशर प्लांटों पर आए दिन हो रही दुर्घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है और क्रेशर प्लांट मालिकों की लापरवाही से गरीब मजदूर अपनी जान गवा रहा है। रविवार को भी कुछ इसी तरह की घटना क्षेत्र के धूरियां जिगना पहाड़ पर चल रहे एक क्रेशर प्लांट पर हुई जहां खदान से बोल्डर लेकर क्रेशर प्लांट के डग में डालने के लिए आ रहा डंपर क्रेशर प्लांट के डग की ढाल पर चढ़ते समय अचानक पीछे जाने लगा और फिर असंतुलित होकर लगभग 50 फीट खाई में गिर गई जिससे ट्रक चालक रामलोचन उम्र 52 वर्ष पुत्र छक्कू राम निवासी फरीदपुर निवासी फरीदपुर थाना

अदलहाट की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के लोग सैकड़ों की संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए सूचना पाकर मौके पर पुलिस भी पहुंच गई है समाचार दिए जाने तक ग्रामीण हो हल्ला हंगामा कर रहे हैं और शव को पुलिस को छूने नहीं दे रहे हैं। लोगों की मांग है कि क्रेशर मालिक को मौके पर बुलाया जाए। वही पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। वही कुछ सफेदपोश नेता मामले को रफा-दफा करने में जुट गए हैं।

जम्मू-कश्मीर: चुनाव से पहले फारूक अब्दुल्ला को बड़ा झटका, देवेंद्र सिंह राणा और सलाथिया ने दिया इस्तीफा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) को आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बड़ा झटका लगा है। जम्मू संभाग में पार्टी के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राणा ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है। राणा नेशनल कांफ्रेंस के कद्दावर नेताओं में गिने जाते हैं। इसके साथ ही पूर्व मंत्री सुरजीत सिंह सलाथिया ने भी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से राणा के बदले स्वर सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बने हुए थे। संभागीय अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राणा ने बुधवार को पार्टी अध्यक्ष डॉ फारूक अब्दुल्ला व उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला से मुलाकात भी की थी। लगभग दो घंटे चली बैठक में विभिन्न मुद्दों के साथ पार्टी छोड़ने की अटकलों पर बातचीत भी हुई थी। जिसके बाद राणा ने कहा कि अब जम्मू के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। जम्मू के लोग विकास, रोजगार व सुशासन में बिना किसी क्षेत्र को दबाए हुए समान अधिकार चाहते हैं और इसके लिए दबना भी नहीं चाहते हैं। जम्मू के हितों को लगातार कमजोर करने की कोशिशें की रही हैं। लेकिन जाति-धर्म का भेदभाव किए बगैर लोगों ने

शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपने संकल्प को मजबूत किया है। जम्मू के हितों से समझौता करने का कोई प्रश्न नहीं है चाहे इसके परिणाम जो भी हों। जम्मू को किनारे करने का मतलब उन स्वाभिमानी लोगों का अपमान करना है जो वर्षों से हमेशा साथ खड़े रहे हैं। हम विविधता में एकता व जम्मू-कश्मीर की एक पहचान के राजनीतिक दर्शन के वाहक हैं। इस भावना में कोई भी खलल नहीं डाल सकता है।

अमित शाह बोले: पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन के हैं तीन हिस्से, जोखिम लेकर फैसले लेने में सबसे आगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी के शासन के 20 साल पूरे होने पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को सरकारी न्यूज चैनल संसद टीवी को एक खास साक्षात्कार दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का जीवन हमेशा से सार्वजनिक रहा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा से प्रशासन की बारिकियों से समझा है। शाह ने कहा कि पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन के तीन हिस्से किए जा सकते हैं। पहला कालखंड भाजपा में आने के बाद संगठनात्मक काम का था। दूसरा कालखंड उनके गुजरात के मुख्यमंत्री काल का था और तीसरा राष्ट्रीय राजनीति में आकर वो प्रधानमंत्री बने।

अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी के ये तीनों कालखंड बेहद चुनौतीपूर्ण रहे। जब पीएम को भाजपा में भेजा गया, वो संगठन मंत्री बनें तो उस समय भाजपा की स्थिति सही नहीं थी। गुजरात कोई पहले से भाजपा के अनुकूल राज्य नहीं था। गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने धैर्यपूर्ण तरीके से प्रशासन की बारीकियों को समझा और विशेषज्ञों को प्रशासन के साथ जोड़ा एवं उनकी चीजों को योजनाओं में तब्दील किया और उन योजनाओं को लोगों तक पहुंचाया। शाह ने कहा कि गुजरात में सबसे ज्यादा आदिवासी उपेक्षित थे। कांग्रेस ने उनका वोटबैंक की तरह इस्तेमाल तो किया लेकिन कभी उन तक विकास नहीं पहुंचाया। पीएम मोदी ने पहली बार 2003 के

बजट में सारी बिखरी हुई योजनाओं को जोड़ा और संविधान के अनुसार उनकी जनसंख्या के हिसाब से उनको अधिकार दिए। नरेंद्र मोदी के गुजरात में सफल मुख्यमंत्री काल के दौरान देश के लोगों में आशा की किरण जागी कि मल्टी पार्टी डेमोक्रेटिक सिस्टम में कोई दोष नहीं है, ये सफल हो सकती है। ये अंतिम व्यक्ति तक जा सकती है।

पीएम मोदी जोखिम लेकर फैसले करते हैं: शाह- पीएम मोदी जोखिम लेकर फैसले करते हैं ये बात सही है। उनका मानना है और कई बार उन्होंने कहा भी है कि हम देश बदलने के लिए सरकार में आए हैं केवल सरकार चलाने के लिए नहीं। हमारा लक्ष्य देश में परिवर्तन लाना है।शाह ने कहा कि 130 करोड़ की आबादी वाले विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र को दुनिया में एक सम्मानजनक स्थान पर पहुंचाना है। पीएम मोदी के नहीं डरने का कारण यह है कि सत्ता में बने रहना उनका लक्ष्य नहीं है, एकमात्र लक्ष्य 'राष्ट्र प्रथम' को लेकर वो चलते हैं। पीएम मोदी ने देश की ढेर सारी समस्याओं को पारंपरिक सोच के अलग होकर हल किया, यही तो रिफॉर्म हैं। नरेंद्र मोदी के भारत के प्रधानमंत्री बनने से पहले देश हर क्षेत्र में लगातार नीचे जा रहा था, दुनिया मे देश का कोई सम्मान नहीं था, देश की बाहरी और आंतरिक सुरक्षा लचर थी। ऐसे माहौल में पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री का पद संभाला और आज हम देखते हैं कि सात साल के अंदर सारी व्यवस्थाएं अपनी अपनी जगह सही हैं।

सेना ने कहा: हत्याएं निंदनीय हैं, सभी धर्मों के लोग एकजुट होकर देश के दुश्मनों को बेनकाब करेंगे

जम्मू। श्रीनगर में हुईं हत्याओं पर सेना का बयान आया है। लेफ्टिनेंट जनरल डीपी पांडेय, जनरल ऑफिसर कमांडिंग जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) चिनार कॉर्प्स ने कहा कि ये हत्याएं निंदनीय हैं। मुझे विश्वास है कि कश्मीरी उन तत्वों को बेनकाब करेंगे जो कश्मीरी समाज को सांप्रदायिक आधार पर विभाजित करने की कोशिश कर रहे हैं। लेफ्टिनेंट जनरल डीपी पांडेय ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सकारात्मक बदलावों की वजह से अवाम और देश के दुश्मन ऐसी हरकतें कर रहे हैं। मुझे यकीन है कि कश्मीर में सभी धर्मों के लोग एकजुट होकर इनको बेनकाब करेंगे। कश्मीर घाटी में इस महीने हुई टारगेट किलिंग के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इस बीच हमले में शामिल आतंकियों की धरपकड़ के लिए पूरे कश्मीर में कई जगहों पर छापे मारकर 500 से अधिक युवाओं को हिरासत में लिया गया है। इनसे पूछताछ की जा रही है। पकड़े गए युवाओं में पत्थरबाज, ओजीडब्ल्यू की संदिग्ध सूची में शामिल युवा और जमात-ए-इस्लामी व तहरीक-ए-

हुर्रियत से जुड़े कैडर भी हैं। केंद्र से भेजे गए आईबी के वरिष्ठ अधिकारी पूरी स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। घाटी के सभी जिलों में संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा बढ़ाने के साथ ही अल्पसंख्यकों की कालोनियों में भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। कुछ नाके बढ़ाए गए हैं, जहां से आने जाने वाले प्रत्येक की तलाशी ली जा रही है।

संपादकीय

रिश्तों का ताना-बाना

जीवन एक ऐसा प्रवाह है, जिसमें हम अच्छाई, बुराई, गुणावगुण आदि के आवरण ओढ़े निरंतर बहते चले जाते हैं। समय अपने हिसाब से करवट बदलता रहता है। हम अपने कर्मों के चिह्न जीवन रूपी रास्ते पर छोड़ते चले जाते हैं। अच्छी सोच, अच्छे विचार, उदार मानसिकता, जीवन को देखने-समझने-परखने का नजरिया ही हमारे समूचे व्यक्तित्व का परिचायक होता है। महिलाएं हों या पुरुष, दोनों को ही जीवन सुचारु रूप से चलाने के लिए अपनी सोच को परिपक्व बनाने की आवश्यकता होती है। देखा जाता है कि समाज में महिलाओं को बेचारी संबोधित करके उनके साथ अलग व्यवहार किया जाता है। महिलाएं भी हमेशा पुरुष वर्ग को कोसते हुए अपने को ऊंचे स्थान पर रखने को चाहे-अनचाहे लालायित रहती हैं, बिना यह विचारे कि हर जगह पुरुष गलत नहीं होता। बहुत से मामलों में उन्हें भी अपने अंदर झांकने की बहुत जरूरत होती है और अपनी गलतियों के परिणाम की जिम्मेदारी लेने के लिए आगे आना चाहिए। बदलाव का दौर है। पुरुष या महिलाओं को अपने अंदर झांकते हुए खुद को दुरुस्त करने की कदम-कदम पर जरूरत है, ताकि ठीक से तालमेल बना रहे और पारिवारिक ढांचा न बिखरे। ऐसे में काफी चीजें ऐसी हैं, जो महिलाओं की गलत सोच और व्यवहार के कारण दुष्प्रभावित हो रही हैं। किसी भी परिवार या व्यक्ति की खुशी घर के वातावरण से ज्यादा जुड़ी होती है। परिवार की इकाई महिला के इर्द-गिर्द ज्यादा घूमती है। अगर महिला ने अपने आप में सुधार का बीड़ा जिम्मेदारी से नहीं उठाया तो समाज और परिवार में प्रतिकूल असर के पूरे-पूरे आसार हैं और कुछ दिनों में ऐसे परिवार के अस्तित्व को ग्रहण लगा दिखाई देगा। जहां महिलाएं सुघड़ और समझदार होंगी, वे ही परिवार को ठीक से बचा पाने में कामयाब होंगी अन्यथा यह इकाई आज बिखराव की राह पर तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में उसके पैदा होने से लेकर बुढ़ापे तक परिवार की भूमिका के केंद्र का महत्त्वपूर्ण अंग होने के कारण बहुत-सी चीजें उसके कारण, उससे प्रभावित होकर घटित होती हैं और जिसका परिणाम परिवार की खुशहाली या बदहाली पर पड़ना लाजिमी है। एक महिला बहुत-सी भूमिका एक साथ निभाती है- दादी, मां, बेटी, बहन, बुआ, बहू, सास, भाभी आदि के रूप में। जब तक वह बेटी यानी अविवाहित होती है तो मायके में उसकी खास जिम्मेदारी नहीं होती और लाड़-प्यार में पलती है। बहुत-से माता-पिता उसको यह सिखाने में नाकाम होते हैं कि शादी के बाद उसकी भूमिका किस रूप में सफल और वजनदार होनी चाहिए और उसके लिए उसको कितनी सूझबूझ दी जाए। जन्मजात रूप से यह समझा जाता है कि उसकी पढ़ाई-लिखाई करवा दो और जब जवान हो जाए तो उसकी शादी का अनुकूल प्रबंध कर दिया जाए। कम ही माता-पिता होते हैं, जो उसकी शादी के बाद की भूमिका के लिए सही और वाजिब सीख देते हैं। शादी होती है तो ससुराल की दहलीज पर कदम रखते ही लड़की की भूमिका जिम्मेदारी से जुड़ी मिलती है। उसकी हर गतिविधि और सोच पर ससुराल पक्ष की बारीक नजर होती है। अगर लड़की समझदार और मायके की समझाइश से अच्छा सीखी है तो कामयाब बहू बनने की राह पर चल पड़ती है, वहीं दूसरी तरफ अगर बिना तैयारी या परिपक्व सोच-विचार के सिर्फ शादी की रस्म के नाम पर ससुराल में चली जाती है और वहां की जरूरत के हिसाब से तालमेल नहीं बैठाती है, तो उसके गृहस्थ में आग लगना तय है। कुछ लड़कियां ससुराल में प्रवेश करते ही पति पर अपना अधिकार मान कर औरों के प्रति बेरूखी दिखाती हैं। निस्संदेह सबके साथ अनुकूल व्यवहार से ही रिश्तों को जीवंत और वजनदार बनाया जा सकता है। ऐसी लड़कियां सोची-समझी रणनीति के तहत परिवार के दूसरे सदस्यों के खिलाफ गलत तरीके से पति के कान भरना शुरू कर देती हैं। ऐसे में रिश्तों में दरार आना स्वाभाविक है। इसका असर रिश्तों के ताने-बाने पर पड़ता है। यह महिला के ऊपर निर्भर है कि वह ससुराल में समझदारी से परिवार को मजबूती से जोड़ती है या अपनी नासमझी की राह पर चल कर ससुराल को प्रयोगशाला बना कर खाई में धकेल देती है, जहां बस केवल संबंधों में तल्खी, विरोध, मनमुटाव, बिखराव या तलाक की गुंजाइश होती है, जिसमें दोनों पक्ष जिंदगी भर दुर्भाग्य, पश्चात्ताप या कसक लिए जीते दीखते हैं। इस सच को झुठलाया नहीं जा सकता कि काफी महिलाएं जरूरत से ज्यादा तारीफ की भूखी होती हैं, छोटी सोच रखती हैं और अपने सौंदर्य को भी हथियार मान लेती हैं।

विषय चर्चा आज !

गिरफ्तारी हो गई ।
सिलसिला अब आगे ।।
क्या हुआ अचानक ?
लोग अब ये जागे ।।
करना होगा इंतजार ।
अब आगे क्या मोड़ ।।
श्रेय लेने की मची ।
हर तरफ अब होड़ ।।
करने दें कानून को ।
अब तो अपना काम ।।
गलत हवा ना बह जाए ।
देना भी पैगाम ।।
मामला गहराया ।
विषय चर्चा आज ।।
जल्द हटे अब पर्दा ।
क्या है आखिर राज ।।

–कृष्णेन्द्र राय

अब तो रोज हो रही गांधी की हत्या

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी यदि जीवित होते तो आज 152 वर्ष के हो गए होते और 2 अक्टूबर को अपना जन्मदिन मना रहे होते। लेकिन, 30 जनवरी, 1948 को उनकी हत्या कर दी गई जिसे आज लगभग 74 वर्ष हो गए हैं। अब तक जैसा मैंने देखा कि आम लोगों के मन में गांधी जी के प्रति असीम श्रद्धा है। एक तरह से भारतीय जनमानस उन्हें पूजता है, लेकिन एक विचित्र बात पिछले कुछ दिनों से देखने को मिल रही है। वह यह कि समाज के कुछ प्रबुद्ध नागरिक उनके विचारों के प्रति, उनके द्वारा किए गए कार्यों के घोर आलोचक हो गए हैं। किसी के गुण-दोष पर आलोचना करना गलत नहीं है, लेकिन किसी का चरित्र हनन करना हमारी अज्ञानता को ही दिखाता है। 2 अक्टूबर को देश के दो महापुरुषों का जन्म हुआ था। दोनों के कृत्य भारत को गौरवान्वित करते हैं। फिर महात्मा गांधी के प्रति मन में इतना जहर क्यों और कैसे भर गया? देश की आजादी के लिए उनका स्वार्थ केवल इतना था कि जिस देश में उनका जन्म हुआ, वह परतंत्रता की बेड़ी से आजाद हो और यहां के नागरिक गुलामी और अपनी कुंठा से बाहर निकले। उनके बच्चे आजाद देश के नागरिक हों। गांधी जी तो दक्षिण अफ्रीका में अपनी काबिलियत का खूंटा गाड़ ही चुके थे, डंका बजा ही चुके थे, फिर भारत आकर बार–बार जेल जाकर, डंडा खाकर आजादी के लिए क्यों लड़ते रहे? आज देश में कोई ऐसा व्यक्ति नहीं होगा, जिन्होंने गांधी जी के आजादी के संघर्षकाल में उनके साथ जुड़ा रहा हो और जीवित हों तथा उनके गुण–दोषों का आंखों देखा हाल बयां कर सके।

इतिहास हम पढ़ेंगे नहीं। सुनी–सुनाई बातों में नमक–मिर्च का तड़का लगाकर समाज में उनके प्रति जहर बोएंगे। ऐसे में फिर कोई कैसे कह सकता है कि गांधी की यह कमी थी? चूंकि स्वयं गांधी जी कहा करते थे कि उनका जीवन पारदर्शी है, इसलिए जो भी कार्य उनके द्वारा किया जाता है, वह सार्वजनिक है। इसलिए आलोचक जो भी कहें, इतिहास को जानने वाले उसे फिर भी आंखें बंद करके स्वीकार नहीं कर लेंगे। लेकिन हां, मन में गंदगी तो भर ही देंगे, क्योंकि उसका खंडन करने के लिए अब स्वयं गांधी जी तो आएंगे नहीं। निश्चित रूप से ऊंचाइयों पर जो पहुंचता है, उसमें कुछ विशेष गुण होते हैं, लेकिन जो आसपास के लोग उन तक नहीं पहुंच पाते, वह कुंठित हो जाते हैं और उसी प्रकार के आलोचक हो जाते हैं जिस प्रकार आज समाज में महात्मा गांधी के आलोचक कुकुरमुत्तों की तरह निकल कर अपने को समाज में स्थापित करना चाहते हैं। हम उन्हीं महात्मा गांधी की बात कर रहे हैं जिनकी चर्चा अभी हाल में हुए प्रधानमंत्री के अमेरिका यात्रा के दौरान राष्ट्रपति बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस कर रहे थे। महात्मा गांधी कभी अमेरिका नहीं गए और न ही राष्ट्रपति बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से मिले, लेकिन उनका नाम विश्व के मानस पटल पर इतना गहरा है कि कोई भारत का उल्लेख उनके नाम से किनारा करके नहीं कर सकता। गांधी आजाद भारत के सर्वकालिक नायक थे, हैं और रहेंगे। हां, यह ठीक है कि इसी तरह के कुंठित मानसिकता वाले समाज के नाथूराम गोडसे ने उनकी हत्या कर दी, लेकिन उससे क्या हुआ? गांधी भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में आज भी अमर हैं और आगे भी रहेंगे।

नेटाल दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी की गिरफ्तारी पर गिरिराज किशोर अपनी कालजयी पुस्तक पहला गिरमिटिया में लिखते हैं, मोहनदास की गिरफ्तारी की खबर आग की तरह सब तरफ फैल गई थी। हजारों की तादात में लोग अपने अपने काम छोड़कर बाहर निकल आए थे। पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण सब तरफ मोहनदास की गिरफ्तारी का विरोध चालू हो गया था। जेल जाते समय मोहनदास ने अपने साथियों को समझाकर एक बात कही थी, हमारा आंदोलन सही दिशा में जा रहा है। ज्यादा मजदूर जुड़ेंगे तो उनका खर्चा उठाना मुश्किल हो जाएगा। पूरे दक्षिण अफ्रीका में साठ हजार मजदूर काम कर रहे हैं। अब मजदूर काम छोड़कर चले आएंगे तो कैसे उनका परिवार रोटी खाएगा और कैसे हम उनका खर्च उठाएंगे? खानों में काफी मजदूर हैं, उनसे हमारा संपर्क भी है। अनुशासन की समस्या भी गंभीर हो सकती है। ज्यादा भीड़, यानी ज्यादा लापरवाही और ज्यादा अनुशासनहीनता। यह तो गांधी जी के विचारों एवं उनकी निश्छलता की बानगी भर है। महात्मा गांधी की भारत में राजनीतिक यात्रा सबसे पहले चंपारण के अंग्रेजों से नील की खेती से पीड़ित किसान राजकुमार शुक्ला के बुलाने पर शुरू हुई। इस पर महात्मा गांधी अपने ऑटोबायोग्राफी में लिखते हैं, मुझे यह स्वीकार करना पड़ेगा कि इस जगह का नाम तक मुझे पता नहीं था। चंपारण की भौगोलिक स्थिति की जानकारी होना तो दूर की बात थी और मुझे नील की खेती का ज्ञान भी नहीं था। कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि चंपारण में इसका उत्पादन और खेती करने से किसानों को कितनी कठिनाइयों से गुजरना पड़ता था। यहीं पर गांधी जी की भेंट आचार्य कृपलानी और डॉ. राजेंद्र प्रसाद से हुई थी।

इस प्रकार सौ वर्षों से चली आ रही तिनकठिया प्रणाली का खात्मा हुआ और दुष्ट अंग्रेज मालिकों के राज का अंत हुआ । किसान जो अभी तक दबे हुए थे, अब वह किसी तरह से अपने पैरों पर खड़े थे और यह जो अंधविश्वास था कि नील का दाग कभी धोया या मिटाया नहीं जा सकता है, उसका भांडा फूट गया था। ऐसे थे महात्मा गांधी, जो किसी भी समस्या का समूल निदान करते थे। इतिहासकार रामचंद्र गुहा कहते हैं कि कुछ लोग महात्मा गांधी की काफी तारीफ करते हैं, उसी तरह कुछ लोग उन्हें नापसंद भी करते हैं। उसी तरह की बात उस भीमकाय संस्था के बारे में भी की जाती है जिसे ब्रिटिश राज के नाम से जाना जाता है। आखिरकार अंग्रेजों ने अगस्त 1947 में हिंदुस्तान छोड़ दिया था, उसके महज साढ़े पांच महीने बाद ही गांधीजी कि हत्या कर दी गई। ब्रिटिश राज के खात्मे के बाद उसके सबसे मशहूर विरोधी की मृत्यु इतनी जल्दी हो गई कि इसने इतिहास लेखन पर अपना एक निश्चित प्रभाव डाला। इस बारे में निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता कि यदि गांधी जी ज्यादा दिनों तक जिंदा रहते तो इतिहासकारों ने आजाद भारत के इतिहास लिखने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाई होती। विश्व के ऐसे गिने–चुने राजनेता हैं जिनके लिए दुनियाभर के इतिहासकारों ने इतना लिखा हो, लेकिन यह बात भारतीय आलोचक गांधी जी के लिए शायद नहीं जानते हों, पर यह भी हो सकता है कि प्रचार पाने की भूख मिटाने के लिए वह यह तरकीब अपनाते हों। जो भी भी हो, उन आलोचकों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। जवाहर लाल नेहरू कहते हैं, ह्यभारत के भविष्य की इमारत यदि तैयार करना चाहते हैं, जो मजबूत और खूबसूरत हो तो हमें गहरी नींव खोदनी पड़ेगी, क्योंकि भारत एक संस्कृत शब्द हैं और इसके परंपरागत संस्थापक के नाम से निकला हुआ है।पंडित जवाहरलाल नेहरू आगे कहते हैं गांधी जी उस प्रवाह की तरह थे, जिसने हमारे लिए पूरी तरह से फैलना और गहरी सांस लेना संभव बनाया । वह रोशनी की उस किरण की तरह थे , जो अंधकार में पैठ गई और जिसने हमारे सामने के परदे हटा दिया। वह उस तूफान की तरह थे, जिसने बहुत सी चीजों को, खासतौर से मजदूरों के दिमाग को उलट पलट दिया। गांधी जी कहीं ऊपर से आए हुए नहीं थे, बल्कि हिंदुस्तान के करोड़ों आदमियों की आबादी से ही उपजे थे। उनकी भाषा वही थी, जो आम लोगों की थी । उनके कारण तब राजनीतिक आजादी की एक नई शक्ल सामने आई और उसमे एक नया अर्थ पैदा हुआ। यह और कोई नहीं हमारे बापू मोहन दास करमचंद गांधी अर्थात महात्मा गांधी-राष्ट्रपिता गांधी ही थे । सच तो यह है कि गांधीजी के विचारों और उनकी महानताओं के विषय पर एक लेख लिखकर खत्म नहीं किया जा सकता यह तो सूर्य को दीप दिखाने जैसा है । इसलिए बेपेंदी के आलोचकों से सावधान रहें।

चुनौती बनता मानसिक स्वास्थ्य

आज के दौर में आबादी का बड़ा हिस्सा किसी न किसी रूप में मानसिक बीमारियों का शिकार होता जा रहा है। चिंता की बात ज्यादा इसलिए है कि अब बच्चे भी मानसिक समस्याओं की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। कारण भले कुछ भी हों, लेकिन मानसिक समस्याओं और रोगों का तेजी से बढ़ना समाज और सरकार के लिए गंभीर चिता का विषय तो है ही। अवसाद और खुदकुशी की लगातार बढ़ती घटनाएं हालात की गंभीरता को बताने के लिए काफी हैं। कहने को पिछले कुछ समय में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी गहराते संकट को देखते हुए सरकारें जागी तो हैं, पर समस्या के दायरे को देखते हुए लगता है कि लोगों को मानसिक समस्याओं से उबारने और स्वस्थ्य रखने के लिए अभी काफी कुछ करने की जरूरत है।

मानसिक स्वास्थ्य के संकट से निपटने के लिए न केवल सरकारों को बल्कि समाज को भी आगे आना होगा। इसे गंभीरता से लेने की जरूरत इसलिए भी है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) पहले ही चेतावनी दे चुका है कि कुछ ही साल में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी बीमारी- अवसाद दुनिया की दूसरी बड़ी बीमारी बन जाएगी। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) की दो साल पहले की एक रिपोर्ट बताती है कि हर सात में से एक भारतीय किसी न किसी मानसिक विकार से पीड़ित है।

कोविड-19 संक्रमण की दोनों लहरों की भयावहता के बाद ये आंकड़े और भी ज्यादा चौंकानें वाले हो सकते हैं। तीसरी लहर की आशंका के चलते देश के लगभग सभी राज्यों ने अधिकांश शैक्षणिक संस्थाओं को नियम-शर्तों के साथ खोलने की अनुमति दे दी है और कुछ इसकी तैयारी में हैं। बीते बीस महीनों में समाज ने बहुत कुछ खोया है तो बहुत सारे अनुभव भी लिए हैं, सीख भी मिली हैं। इनमें वे करोड़ों बच्चे भी हैं जो स्कूल-कालेज, पढ़ाई से दूर रहे। साथ रह कर सीखने का मौका भी नहीं मिला। छोटे बच्चे स्कूल में मिलने वाले मध्याह्न भोजन से वंचित रहे। अब जब शैक्षणिक संस्थाएं खुल रही हैं तो यह भी देखने में आ रहा है कि बच्चे, शिक्षक और परिवेश वैसा नहीं रहा, जैसा महामारी से पूर्व था। ऐसे में बच्चों और शिक्षकों को अपनी शारीरिक और मानसिक सेहत की देखभाल करने में सहानुभूति और सहयोग देना आज पहली जरूरत है। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सरकारी स्तर से लेकर तमाम संस्थाएं बच्चों, शिक्षकों, शैक्षिक कार्यकताओं और आमजन के मानसिक स्वास्थ्य की उलझनों को दूर करने की दिशा में अग्रसर हो रही हैं। पिछले बीस महीनों में विभिन्न मनोचिकित्सक, शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता भी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि मानसिक स्वास्थ्य को लेकर समाज के विभिन्न तबकों से बातचीत करना और उन्हें जागरूक बनाना जरूरी है। जब तक लोगों को मानसिक बीमारियों के बारे में बताया नहीं जाता, तब तक वे इससे अनजान ही रहेंगे और दिनों-दिन मर्ज बढ़ता चला जाएगा।

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से निपटने में एक बड़ी बाधा तो यही है कि लोगों को पता ही नहीं चल पाता कि वे किसी मानसिक व्याधि से घिरते जा रहे हैं। जब समस्या बहुत ज्यादा बढ़ जाती है तब वे किसी चिकित्सक के पास पहुंचते हैं। इसलिए आज सबसे पहली जरूरत मानसिक स्वास्थ्य के बारे में लोगों को जागरूक बनाने की है। साथ ही इस बात पर भी विचार होना चाहिए कि इन मुश्किल हालात में उत्साह और सकारात्मकता बनाए रखने के लिए एक दूसरे को कैसे सहयोग किया जा सकता है, स्वयं की देखभाल कैसे की जा सकती है और मानसिक तनाव से कैसे मुक्ति पाई जा सकती है।

तनाव होना और गुस्सा आना एक सहज मानवीय स्वभाव है। लेकिन इन पर ध्यान नहीं दिया जाए तो मुश्किलें बढ़ती जाती हैं। आज भारत में अवसाद के मामले जिस तेजी से बढ़ रहे हैं, खासतौर से बच्चों और नौजवानों में, वे इसी का नतीजा है कि हम समय रहते मानसिक व्याधियों को जान नहीं पाते। तनाव के दौरान विभिन्न प्रतिक्रियाओं के बारे में तमाम तरह के अनुभव देखने को मिलते हैं, जैसे कुछ लोग चीजें तोड़ देते हैं, तो कुछ गाली बकने लगते हैं, दरवाजा बंद करके रोते हैं, बोलना बंद कर देते हैं। दूसरी ओर ऐसे लोग भी हैं जो तनाव की स्थिति में संगीत सुनते हैं, बाहर घूमने निकल जाते हैं, गुनगुनाते हैं। कई अध्ययनों में सामने आया है कि महामारी के दौरान चिड़चिड़ाहट बढ़ जाती है, घबराहट ज्यादा होती है और कुछ नहीं कर पा सकने की स्थिति में अपराध बोध पैदा होने लगता है। यह सब महामारी के दौरान देखा भी गया। कोरोना महामारी को लेकर लंबे समय से जिस तरह की खबरें, सूचनाएं देखने और पढ़ने को मिलती रही हैं, उससे भी एक डरावना वातावरण बन गया है।

शिक्षकों में भी बच्चों में आए शैक्षिक पिछड़ेपन का सामना करने और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की सहायता न कर पाने को लेकर चिंता देखने को मिली। इसलिए महामारी ने सभी को पहला सबक यही सिखाया है कि ऐसी विपरीत परिस्थितियों में अपनी मानसिक सेहत को मजबूत बनाए रखना कितना जरूरी है। देश-दुनिया में बीते बीस महीनों के दौरान लोगों ने जिस संकट का सामना किया है, उसमें आजीविका, स्वास्थ्य, भविष्य की चिंता, बुरे विचारों का हावी होना, भय के कारण नींद न आने की बामीरी, एकाग्रता की कमी, उम्मीदों का टूट जाना, भावनात्मक रूप से अस्थिरता जैसी समस्याएं प्रमुख रही हैं। इससे लोगों में लोगों में तनाव और तनाव जन्य बीमारियां काफी ज्यादा बढ़ी हैं। इसलिए पहला काम बच्चों से लेकर बड़ों तक को मानसिक सेहत के प्रति जागरूक करने का होना चाहिए। सामाजिक संस्थाएं, गैर-सरकारी संगठन और छोटे-छोटे समूह इस दिशा में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। कई जगहों पर ये काम हो भी रहा है।

कहने को सरकारें मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता दिवस, सप्ताह जैसे आयोजन पहले भी करती आई हैं, लेकिन ये कागजी खानापूरी से ज्यादा कुछ नहीं दिखते। इसलिए इसका बीड़ा समाज को स्वयं उठाने की आवश्यकता है। मानसिक स्वास्थ्य कर्मियों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है। लोगों को यह समझाना होगा कि हम परिस्थितियों नहीं बदल सकते, लेकिन विपरीत परिस्थितियों से निपटने की कोशिश कर हालात बदलने की ताकत तो पैदा कर सकते हैं। अगर लोग मानसिक सेहत के प्रति जागरूक हों तो जरा-सी समस्या होने पर भी डाक्टरी सलाह लेने से हिचकेंगे नहीं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी यह कहा गया है कि जब बच्चे कुपोषित या अस्वस्थ्य होते हैं तो वे बेहतर रूप से सीखने में असमर्थ हो जाते हैं।

उत्तर भारत में सनातन संस्था के ज्ञानशक्ति प्रसार अभियान का उद्घाटन समारोह संपन्न !

समाज के प्रत्येक घटक के लिए आवश्यक सर्वांगस्पर्शी ग्रंथसंपदा का लाभ लें ! – पूजनीय नीलेश सिंगबाळ, धर्मप्रचारक, हिन्दू जनजागृति समिति

प्रखर पटना। सनातन संस्था ने अध्यात्मशास्त्र, सात्त्विक धर्माचरण, दैनिक आचरण से संबंधित कृति, भारतीय संस्कृति इत्यादि अनेक विषयों पर अनमोल और सर्वांगस्पर्शी ग्रंथ प्रकाशित किए हैं । सनातन के ग्रंथों का दिव्य ज्ञान समाज तक पहुंचाने के लिए संस्था की ओर से पूरे भारत में ज्ञानशक्ति प्रसार अभियान चलाया जा रहा है । यह ग्रंथ समाज के प्रत्येक जिज्ञासु, मुमुक्षू, साधक इत्यादि तक पहुंचाकर हर किसी के जीवन का कल्याण हो, इसलिए यह ज्ञानशक्ति प्रसार अभियान आरंभ किया गया है । अधिकाधिक लोग इन ग्रंथों का लाभ लें, ऐसा आवाहन हिन्दू जनजागृति समिति के धर्मप्रचारक संत पूजनीय नीलेश सिंगबाळजी ने किया है ।

पूजनीय नीलेश सिंगबाळजी ने बताया कि, सनातन की अनमोल ग्रंथसंपदा में बालसंस्कार, धर्मशास्त्र ऐसा क्यों कहता है, आचारधर्म, देवताओं की उपासना, आयुर्वेद, धार्मिक और सामाजिक कृतियों के विषय में ग्रंथ के साथ ही प्राकृतिक आपदाओं के समय स्वयं की रक्षा कैसे करें इत्यादि अनेक विषयों पर 347 ग्रंथ प्रकाशित किए गए हैं । यह ग्रंथ मराठी, हिन्दी, अंग्रेजी, गुजराती, कन्नड, तमिल, मलयालम, बंगाली इत्यादि 17 भाषाओं में उपलब्ध है । आज तक इन ग्रंथों की 82 लाख 48 हजार प्रतियां प्रकाशित की गई है । यह ग्रंथ केवल साधक अथवा श्रद्धालुओं के लिए ही नहीं, अपितु विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक, गृहिणी, अधिवक्ता, डॉक्टर, पत्रकार, प्रशासकीय अधिकारी, कर्मचारी, उद्योजक, राष्ट्रप्रेमी इत्यादि सभी क्षेत्रों के जिज्ञासुओं के लिए उपयुक्त है ।

सनातन संस्था के ग्रंथों में धर्म को विज्ञान की अच्छी जोड दी गई है, इस कारण सामान्य व्यक्ति को भी ये ग्रंथ सरलता से समझ में आते हैं, ऐसे मंगळूर (कर्नाटक) के पूर्व विधायक श्री. योगीश भट्ट ने कहा है । सनातन संस्था के सभी ग्रंथों में अध्यात्मशास्त्र के विषयों का सर्वार्थ से विचार किया गया है, उसे गहन विस्तृत अध्ययन की जोड होने के कारण ये ग्रंथ किसी अनभिज्ञ व्यक्ति को भी साधना करने के लिए प्रेरित करते है । सनातन के ग्रंथों के विषय में ये उद्ग़ार नाशिक के एक बडे संत प.पू. बेजन एन्. देसाई जी व्यक्त किए थे ।

इस अभियान के निमित्त पूरे देश में ग्रंथप्रदर्शन, संपर्क अभियान, ग्रंथों का महत्त्व बतानेवाले हस्तपत्रक, डिजिटल पुसतिका, समाचारवाहिनी पर विशेष कार्यक्रम, सोशल मीडिया द्वारा व्यापक प्रसार इत्यादि अनेक माध्यमों से प्रचार किया जा रहा है । इस अभियान के विषय में संतों से आशीर्वाद तथा मान्यवरों से सदिच्छा भेट की जा रही है । सनातननिर्मित नित्योपयोगी ग्रंथ समाज के प्रत्येक घटक हेतु, साथ ही अबालवृद्धों के लिए उपयुक्त है । सनातन संस्था की ओर से आवाहन किया गया है कि यह ग्रंथ स्वयं क्रय कीजिए; विविध शुभप्रसंगों पर यह ग्रंथ उपाहर दें; मित्र, मित्र-परिवार, रिश्तेदार इत्यादि को भी ग्रंथ की जानकारी दें; विद्यालय - महाविद्यालय, ग्रंथालय इत्यादि स्थानों पर भी प्रायोजित करें । ग्रंथ ऑनलाइन खरीदने के लिए SanatanShop.com इस जालस्थल (वेबसाईट) पर जाएं अथवा Sanatan Shop एप डाउनलोड करें, साथ ही अधिक जानकारी के लिए 9324868906 क्रमांक पर संपर्क कर सकते हैं ।

मोबाइल चोर पुलिस के हत्थे चढ़ा

प्रखर खेतासराय जौनपुर। क्षेत्राधिकारी शाहगंज अंकित कुमार के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियान के क्रम में रविवार की प्रातः स्थानीय पुलिस बूथ से एक मोबाइल चोर पुलिस के हत्थे चढ़ गया। आरोपित को सुसंगत धाराओं में चालान न्यायालय भेज दिया। एसओ श्रीप्रकाश राय ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर मय हमराह पुलिस बूथ से एक मोबाइल चोर को धर दबोचा। तलाशी में उसके पास से रियल मी कम्पनी का एक फोन बरामद किया गया। पूछताछ में अपना नाम आदिल पुत्र उजागिर निवासी जोगियाना बताया। उक्त चोर को कोहरौटी मुहल्ले में शनिवार को एक मोबाइल चोरी के मामले पुलिस को तलाश थी। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसओ श्रीप्रकाश के साथ उपनिरीक्षक हरिशंकर यादव, हेड कांस्टेबल अनन्त आदि पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

लूर्दस कानवेंट बालिका इंटर कालेज में हर्षोउल्लास के साथ मनाया बालिका दिवस

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लूर्दस कानवेंट बालिका इंटर कालेज में रविवार को बालिका दिवस उल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर बढ़कर एक गीत और नृत्य की शानदार प्रस्तुति कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप देकर सम्मानित किया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में छात्रों ने एक से बढ़कर एक ड्रेस का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों का मन मोहा। इसके

कोविड नियमों का पालन करते हुए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के साथ ही खेल-कूद का भी आयोजन किया गया। इस दौरान छात्राओं ने एक से में किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य माया सिंह ने दीप प्रज्जवलित कर किया। दीप प्रज्ज्वलन के बाद छात्राओं ने मुख्य अतिथि को बुके साथ ही मेंढक दौड़, संतुलन दौड़, रिले दौड़, लंगड़ी दौड़, सौ मीटर दौर, साइकिल जौड़ और कबड्डी में भी छात्राओं ने जोश-खरोश के साथ खेल प्रदर्शन किया। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रधानाचार्य ने सम्मानित किया। इस अवसर पर छात्राओं ने नारी के सशक्त रूपों का परिचय देते हुए सावित्री बाई फुले, फातिमा शेख जैसी महान नारियों के जीवन पर आधार नृत्य नाटिका प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों की खूब तालियां बटोरी। इस मौके पर मुख्य अतिथि माया सिंह ने कहा कि बेटियों के प्रति हमें अपनी मानसिकता बदलनी होगी। बेटियां घर व समाज का आईना होती हैं। हम सभी को मिलकर भ्रूण हत्या पर रोक लगानी होगी। बेटियों के बगैर समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। बेटी बेटों से कम नहीं होतीं। सभी को अच्छी शिक्षा देकर बेटियों को आगे बढ़ाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य सिस्टर अल्फोंसा ने मुख्य अतिथि माया सिंह को अंग वस्त्रम देकर सम्मानित करते हुए सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मान्यवर कांशीराम का निर्माण दिवस मनाया गया

प्रखर जमुई मिजार्पुर। थाना क्षेत्र सरैया सिकंदरपुर विमल उत्सव वाटिका में मान्यवर कांशी राम जी का निर्वाण दिवस सुष्मागिरी साहित्यिक मंच चुनार मिजार्पुर द्वारा श्रद्धांजलि गोष्ठी एवं कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें दूरदराज के कवियों ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला और मान्यवर कांशी राम जी को युगपुरुष कहा, प्रमोद कुमार मौर्य

निर्मल ने कहा- मैं तो भंवरा हूं हर कली के दोस्ती है मेरी। शीतल प्रसाद गौरव ने सुनाया- गिला मौत से नहीं जिंदगी को क्या कहूं। प्रियदर्शी अशोक सिंह मौर्य ने कहा -असंभव को संभव कर दिए कांशी राम ने एक दलित की बेटी को मुख्यमंत्री बना दिए ।अजय कुमार मौर्य विमल ने कहा -उच्च नीच व जाति धर्म में खोई अब मानवता है ।बंधु पाल बंधु ने सुनाया- यदि देश है वीर जवानों से, तो भरता पेट किसानों से ।नयन कुमार वर्मा ने सुनाया- पंछी पिजड़ा कबहो ना बंद रहिए, चाहे लोगवा कितने जतन करिहै। विमल दत्त ने कहा -पिपरा के डार बाबा पिपरवा के तरवा बुद्व जी ज्ञानवा पउवां पिपरा तारवा।कवि राजेश विश्वकर्मा ने कहा -मान्यवर कांशी राम जी ने शोषित वंचित की सदा आवाज उठाते थे और समझ में नहीं आता कि क्या कहूं। मनीष सिंह ने कहा -जब क्रांति का रथ रुक जाए ,चिंतन पर थाई लग जाए तो समझो जीवन हार गया ।सुरेंद्रनाथ सिंह नाथ सोनांचलि ने सुनाया -रहन-सहन व बोली भाषा तीज और त्यौहार गजब। डॉक्टर छोटेलाल सिंह ने कहा -जाने वाला चला गया अब किस पर सिंगार करुं ढाई अक्षर सुना सुना अब किसके लिए मैं प्यार करूं ।हरिवंश सिंह बवाल ने कहा- समानता के लिए पुरानी परंपरा तोड़ दो जयप्रकाश मौर्य ने कहा -कैसे उठे सच्चे कदम जब झूठ का हो सिलसिला ।विभिन्न जाने-माने कवियों ने अपनी कविता के द्वारा खूब तालियां बटोरी ,संचालन हरिवंश सिंह बवाल ने किया, गोष्ठी में रंग बहादुर सिंह कुशवाहा, रमेश मौर्य, धर्मेंद्र कुशवाहा ,डॉक्टर सत्येंद्र मौर्य इत्यादि लोगों ने भी विचार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

डॉ. सरोज कुमार पांडेय को राज्यस्तरीय गीत प्रतियोगिता का बनाया गया राज्यस्तरीय संयोजक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा महर्षि वाल्मीकि जयन्ती के अवसर पर डॉ. सरोज कुमार पांडेय को राज्य स्तरीय गीत प्रतियोगिता का राज्यस्तरीय संयोजक बनाया गया है। डॉ.सरोज कुमार पांडेय बेसिक शिक्षा परिषद वाराणसी में योग्य शिक्षक है, जिन्हें राज्य स्तरीय संयोजक बनाये जाने पर शिक्षकों में काफी हर्ष है। शिक्षकों सहित सनत कुमार सिंह जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ काशी विद्यापीठ वाराणसी द्वारा हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं व्यक्त किया गया है।

पिंडरा विस से भी रैली में रवाना हुए सैकड़ों कार्यकर्ता

प्रखर पिंडरा वाराणसी। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी की रविवार को जगतपुर में आयोजित किसान सभा मे शामिल होने के लिए पिंडरा विस क्षेत्र भी सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता बस व प्राइवेट वाहन से रवाना हुए। क्षेत्र के पिंडरा, सिंधोरा, फूलपुर, सिंधोरा , मंगारी , गजोखर समेत अनेक स्थानों से बस से सैकड़ो की संख्या में किसान व कांग्रेसी झंडे के साथ रवाना हुए। इसके पूर्व पिंडरा व फूलपुर बाजार में पैदल मार्च इंदिरा गांधी व राजीव गांधी अमर रहे, प्रियंका गांधी जिन्दाबाद के नारे लगाये। इस दौरान शान्तनु राय,अंजनी पांडेय,विकास सिंह, बृजेश विश्वकर्मा, विनय राय, मुन्ना चौरसिया, मणिशंकर, रिंशु सिंह समेत अनेक कार्यकर्ता रहे।

नि:शुल्क मानसिक रोग एवं स्वास्थ परीक्षण शिविर का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विश्व मानसिक दिवस के उपलक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय हिन्दु महासभा के जिला अध्यक्ष सम्पूर्णा नंद पांडेय द्वारा नि:शुल्क मानसिक रोग शिविर एवं स्वास्थ परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य रूप से मानशिक रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सी. पी. सिंह, डॉ. डी. एन. पांडेय (फिजिशियन) ,डॉ. विवेक श्रीवास्तव (हड्डी रोग विशेषज्ञ), डॉ.समीक्षा श्रीवास्तव (स्त्री रोग विशेषज्ञ) और कुछ काउंसलर भी उपल्ध रहे। मानसिक डॉ. सी पी सिंह का कहना है कि चिंता चिता के समान होती है चिंता यदि मनुष्य अधिक समय तक करे तो शरीर मे अनेक प्रकार के रोग उत्पन हो सकते है। और जीवन तनावग्रस्त रहता है इसी को ध्यान में रखते हुए प्राथमिक विद्यालय (खनपट्टी)हरहुआ में वहा के गांव के लोगो को मानसिक रोग को लेकर जागरूक किया गया और गांव के लोगो को नि:शुल्क दवा वितरण किया गया।

समाजवादी पार्टी द्वारा रामकुमार यादव राजू को जिला सचिव बनाया गया

प्रखर वाराणसी। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री सुजीत यादव लकड़ पहलवान जी के द्वारा, रामनगर रामकुमार यादव राजू को जिला सचिव समाजवादी पार्टी बनाया गया,वाराणसी जिले के सभी वरिष्ठ नेताओं ने खुशियों में हर्ष व्यक्त किया और बताया कि राजू के नियुक्ति से पार्टी काफी मजबूत होगी,रामकुमार यादव ने कहा कि पार्टी के लिए दिन रात मेहनत करूंगा,बधाई देने वाले में पूर्व मंत्री मनोज राय धूपचंडी एमएलसी आशुतोष सिन्हा वरुण सिंह सत्य प्रकाश सोनकर सोनू राजकुमार जायसवाल पीयूष यादव ओपी सिंह प्रदीप जयसवाल किशन दीक्षित दीप चंद्र गुप्ता सुरेंद्र यादव आशीष राय उमेश सोनकर उधर रामनगर वालों में भी बधाई देने में इश्तियाक अहमद सिद्धांत जयसवाल श्याम लाल यादव अखिलेश यादव विनोद यादव कृष्ण मोहन यादव बलराम यादव शिवब्रत पाल झरना यादव वीरेंद्र यादव खुशी व्यक्त की और बधाई दीया।

औढारी मठ में हुआ नि:शुल्क नेत्र परीक्षण

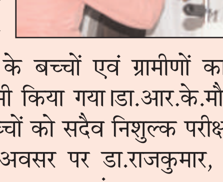

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर ।मानव सेवा समिति के तत्वावधान में सिद्धपीठ औढारी मठ के प्रागंण में अनुस्का नेत्र क्लीनिक शादियाबाद द्वारा निशुल्क नेत्र परीक्षण किया गया। जिसमे विद्यालय के सभी छात्र/छात्राओं के साथ ही एस.के.रुंगटा द्दष्टिबाधित विद्यालय के बच्चों एवं ग्रामीणों का नेत्र परीक्षण के साथ ही दवा वितरण भी किया गया।डा.आर.के.मौर्या ने औढ़ारी मठ के सभी द्दष्टिबाधित बच्चों को सदैव निशुल्क परीक्षण व दवा देने का संकल्प किया। इस अवसर पर डा.राजकुमार, रमेश यादव,सुवास यादव, रविप्रकाश शुक्ला, संजय यादव,रामकेर पहलवान, देवेन्द्र यादव,दीपक गीरी,अजीत गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र थानागद्दी पर लगा मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। विकासखंड केराकत के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र थानागद्दी पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ रही, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र थानागद्दी पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का उद्घाटन प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अद्वैत प्रताप सिंह द्वारा किया गया, जिसमें स्थानीय निवासियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया व वार्ड ब्वाय दिलीप तिवारी को छोड़कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के समस्त स्टाफ मौजूद रहे सभी मरीजो का चेकअप कर दवा वितरण किया गया, उक्त कार्यक्रम में डॉ. कुणाल यादव, रंजीत जैशवार, साहब लाल, धीरज कुमार सिंह, सुधांशु पांडेय, सोनी, गीता, मानवी, कृपा, अभिलाषा, सभाजीत, कुंदन सिंह, सौरभ आदि लोग रहे।

उद्घाटन की बाट जोह रहा पालिका कार्यालय के पास चालू हुआ फव्वारा बना आकर्षण का केंद्र

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नए पालिका भवन के निर्माण कार्य में पालिका अध्यक्ष गुलाबदास मौर्या द्वारा जितनी तेजी व लगन के साथ इसे पूरा किया गया था उतना इस

नवनिर्मित कार्यालय का उद्घाटन को देखने के लिए नगर की जनता उत्सुक है विधायक निधि से बने इस पालिका कार्यालय की साज-सज्जा तो देखते ही बनती है पर इसे अब तक उद्घाटन ना होना विभागीय व शासन की उदासीनता को दशार्ता है उद्घाटन से पूर्व ही का पालिका कार्यालय के परिसर में नवनिर्मित फव्वारे को शुक्रवार शाम से ही चालू कर दिया गया है इसमें लगे रंगीन लाइट आम नागरिकों समेत आने जाने वाले राहगीरों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है , नगर की जनता नवनिर्मित पालिका कार्यालय का जल्द से जल्द उद्घाटन देखना चाहती है।

सर्वोदय हॉस्पिटल द्वारा नि:शुल्क कैंसर ओपीडी का हुआ आयोजन

प्रखर खेतासराय/जौनपुर। विद्या डेंटल क्लीनिक एवं फरीदाबाद दिल्ली के सर्वोदय हॉस्पिटल के संयुक्त प्रयास से निशुल्क कैंसर ओपीडी का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली के प्रसिद्ध एवं वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ एवं कैंसर रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ सुमन गुप्ता ने 87 मरीजों की जांच की और बताया कि जौनपुर में पान मसाले दोहरे के सेवन के कारण अधिकांश मरीजों के मुंह में एंव जीभ पर सफेद छाले व मुंह के कम खुलने की समस्या पाई गई इसके अलावा फेफड़े एवं स्तन कैंसर के कई मरीजों को परामर्श दी गई जिसमें से 16 मरीजों की स्थिति खराब देखकर उनकी बायोप्सी की गई कोरोना काल मे लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर बुरा असर पड़ा

है दवाइयों के अत्यधिक सेवन से मरीजों में कैंसर की संभावना बढ़ गई इसी को देखते हुए प्रत्येक महीने के दूसरे रविवार को कैंसर की नियमित ओपीडी की जा रही है डिप्टी जनरल मैनेजर सर्वोदय हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर पंकज मिश्र ने बताया कि कैंसर के रोगियों के ऑपरेशन में विशेष छूट दी जाएगी डॉ० सौरभ उपाध्याय एवं डॉक्टर शुचि सिंह ने सभी आए हुए लोगों को धन्यवाद दिया । ओपीडी में डॉक्टर संजय वर्मा, डॉक्टर रिचर्ड हूं, डॉक्टर फहीम अहमद, डॉक्टर अरविंद, डॉ0 आर एस निषाद, पंकज सिंह, अरुण यादव, रेनू, श्वेता, सुरेंद्र यादव, संतोष, सोनाली आदि उपस्थित रहे !

भाजपा किसान मोर्चा के जिला कार्यसमिति की बैठक हुई सम्पन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की जिला कार्यसमिति की बैठक जिला कार्यालय छावनी लाइन पर जिलाध्यक्ष रूद्र प्रताप सिंह के अध्यक्षता मे हुई। बैठक मे मुख्य अतिथि क्षेत्रीय मंत्री सुनील श्रीवास्तव ने कहा कि मंडलों के हर गांव में किसान मोर्चा के कार्यकर्ता पहुंच कर चौपाल लगा कर सरकार की योजनाओं को प्रचारित करें ताकि सरकार के कार्य और उद्देश्यों आम आदमी तक आसानी से पहुंच सके। पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण विहारी राय ने कहा कि देश का किसान ही तय करता है देश की राजनीति। किसानों ने भाजपा को शीर्ष तक पहुंचाया, तो भाजपा सरकार ने किसान सम्मान निधि के रूप में किसानों का सम्मान किया। जिला महामंत्री प्रवीण सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार की योजनाएं देशहित में हैं। 2014 के बाद देश में सरकार के साथ साथ वैचारिक परिवर्तन भी हुआ। जिला उपाध्यक्ष श्यामराज तिवारी ने कहा कि देश की आत्मा किसानों में बसती है। ऋणमोचन योजना किसानों के हित स्वर्णिम योजना है। आज की बैठक में सुरेश बिंद, मनोज राय,राधेश्याम शर्मा, पंकज राय, शैलेन्द्र सिंह, रणजीत राजभर, शुभांशु मिश्रा, मेठ बिंद, ओमप्रकाश चौहान, धर्मेन्द्र यादव, यशवंत सिंह, रोहित सिंह, शैलेंद्र सिंह,शशिकान्त शर्मा सहित जिले के पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्य, और मंडल अध्यक्षगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद प्रदेश किसान मोर्चा अध्यक्ष के पूज्यनीय माता जी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर शोक व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री धनंजय चौबे ने किया।

प्रोफेसर सोमनाथ त्रिपाठी सादा जीवन उच्च विचार के साथ साथ अन्याय के खिलाफ संघर्ष के पर्याय थे (प्रथम पुण्यतिथि) पर बोले रमेश यादव

प्रखर जखनियां गाजीपुर। स्थानीय क्षेत्र के मां गायत्री प्राइवेट आईटीआई संस्थान में आज समाजवादी चिंतक एवं किसान

नेता प्रोफेसर स्वर्गीय सोमनाथ त्रिपाठी की प्रथम पुण्यतिथि मनायी गयी। उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। इस अवसर पर स्वराज इंडिया के रमेश यादव ने कहा कि त्रिपाठी जी आजीवन छात्र नौजवानों तथा श्रमिकों एवं किसानों की लड़ाई लड़ते थे। वहीं प्रोफेसर साहब सादा जीवन उच्च विचार के पर्याय थे अन्याय के खिलाफ संघर्ष उनके जीवन का मिशन था उनके जीवन पथ पर चलकर ही एक आदर्श सार्वजनिक कार्यकर्ता के रूप में जीया जा सकता है।उनके जीवन पथ पर चलना है उनको सच्ची श्रद्धांजलि है। सुनील कुमार यादव ने कहा कि सभी जाति धर्म के लोगों को लेकर चलने के कारण ही सोमनाथ त्रिपाठी जी उत्तर प्रदेश,बिहार,बंगाल तथा अन्य प्रदेशों में किसानों मजदूरों के बीच में लोकप्रिय थे वह हमेशा गरीबों के हित की बात सोचते थे हम लोग उनके अधूरे सपने को पूरा करने की हर संभव कोशिश करेंगे। इस अवसर पर विवेक सिंह यादव, प्रवीण कुमार एडवोकेट, जितेंद्र कुमार यादव, लल्लन पांडेय,अभिषेक यादव, सतीष कुमार, वीरेंद्र प्रताप सिंह, गोपाल पांडेय,नवीन कुमार एडवोकेट आदि उपस्थित थे अध्यक्षता चन्द्रदेव यादव एवं संचालन पवन कुमार प्रजापति ने किया।

कैकेई ने मांगा वचन, राम गए वन

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नगर के चौक बाजार में स्थित शंकर जी के मंदिर पर शनिवार की रात आयोजित रामलीला में कैकई के कोप भवन राम वन गमन की लीला का मंचन किया गया। श्रीराम को राजगद्दी देने की बात सुनकर कैकई

कोप भवन में चली जाती है। शनिवार को लीला के मंचन की शुरूआत राम दरबार की आरती से हुई। विवाह के बाद हुई विदाई में राजा जनक के अपनी पुत्री सीता को विदाई देने का भावुक मंचन किया गया। इसके बाद राजा दशरथ अपने मंत्रियों के साथ राम को राजगद्दी देने की बात कहते हैं, जिसे सुनकर कैकई की दासी मंथरा कैकई को भड़काने चली जाती है। वह देवासुर संग्राम की याद दिलाते हुए राम को वनवास और भरत को राजगद्दी के लिए उकसाती है। मंथरा की बातों में आकर कैकई कोप भवन में चली जाती है। इसकी सूचना पाकर राजा दशरथ अपनी प्रिय महारानी को मनाने पहुंचते हैं। कैकई दशरथ को उनके उस वचन की याद दिलाती है, जिसमें उन्होंने राम को वनवास और भरत को राजगद्दी देने की बात कही थी। यह सुनकर राजा दशरथ परेशान हो जाते हैं। पिता के वचनों को सुनकर श्री राम, सीता व लक्ष्मण वन को चले जाते हैं। इसके बाद राजा दशरथ की मृत्यु हो जाती है। इस मौके पर अध्यक्ष कुमार आनंद,बृजेश,विशाल,विकास, पुण्य प्रवीण रोशन अभिषेक सतीश,शिवम्,अश्वनी, सहित अन्य उपस्थित रहे।

पैसे के लिये लालची ठेकेदार ने भगवान बाराह देव को भी नहीं छोड़ा

वाराह मंदिर के निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल पर बिफरे विधायक, जेई और ठेकेदार को लगाई फटकार, निर्माण कार्य बंद कराया

प्रखर चंदवक जौनपुर। तहसील क्षेत्र के रामगढ़ गांव में स्थित पौराणिक स्थल बाराह कोटि तीर्थ मंदिर के सुंदरीकरण हेतु कराए जा रहे निर्माण कार्य प्रतिनिधि पप्पू नाविक, राधेमोहन सिंह, महेन्द्र प्रजापति, रामेश्वर सिंह, डॉक्टर सुरेश सिंह आदि ने गुरुवार को चंदवक बाजार में एक कार्यक्रम में पहुंचे क्षेत्रीय खराब क्वालिटी की गिट्टी, सेयम ईंट और भस्सी का प्रयोग होता देखकर विधायक प्रतिनिधि ने ठेकेदार और जेई को फोन कर फटकार लगाई और काम बंद यादव ने भी खराब गुणवत्ता की सामग्री देख कर जेई और ठेकेदार को फटकर लगाई थी।

उल्लेखनीय है कि रामगढ़ गांव में गोमती नदीके किनारे

में घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल किए जाने से क्षुब्ध क्षेत्रीय विधायक दिनेश चौधरी ने अपने प्रतिनिधि आरडी चौधरी को मौके पर भेजकर काम बन्द करा दिया। मंदिर के साधू बालकदास, कलेक्टर दास और साध्वी माया दास समेत जयप्रकाश पाण्डेय, ग्रामप्रधान विधायक दिनेश चौधरी से मंदिर के निर्माण कार्य में घटिया निर्माण सामग्री लगाने की शिकायत की। जिस पर क्षेत्रीय विधायक दिनेश चौधरी ने तत्काल अपने प्रतिनिधि आरडी चौधरी को निर्माण सामग्री जांचने मन्दिर भेजा।

मौके पर सफेद बालू, करा दिया।

शुक्रवार को क्षेत्रीय विधायक दिनेश चौधरी भी मंदिर पहुंचे और निर्माण सामग्री देखा। इस मौके पर मन्दिर के पुजारी और नागरिकों से बातचीत की। पिछले महीने मंदिर के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचीं जिला पर्यटन अधिकारी मीनाक्षी भगवान विष्णू के वाराह अवतार का प्राचीन मंदिर है। मंदिर का उल्लेख शिव पुराण और महाभारत में भी है। श्रद्धालुओं की मांग पर 50 लाख रुपए की लागत से मन्दिर का सुंदरीकरण कराया जा रहा है। लेकिन ठेकेदार और जेई की लूट खसोट से नागरिकों में रोष है।

थाना चोलापुर पुलिस नें विभिन्न मुकदमों के छः नफर वारंटी को किया गिरफ्तार

प्रखर दानगंज वाराणसी। पुलिस अधीक्षक वाराणसी ग्रामीण व अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जनपद वाराणसी द्वारा चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियों पर नियत्रंण तथा चेंकिग संदिग्ध वाहन व्यक्तियों तहत अभियुक्तों की गिरफ्तारी के अभियान के क्रम में आज दिनांक 10/10/2021 को थाना चोलापुर पुलिस नें एनबीडब्ल्यू वारण्टी मा0 न्यायालय वाराणसी बनाम 1. विजय प्रकाश मिश्र पुत्र रघुनाथ उम्र करीब 55 वर्ष निवासी ग्राम कटारी थाना चोलापुर वाराणसी सम्बन्धित वारंट मु0न0 511/12 तथा वारंटी 2. महेन्द्र बनवासी पुत्र नन्दा बनवासी उम्र करीब 42 वर्ष निवासी ग्राम गोसाईपुर थाना चोलापुर वाराणसी 3. राजेश बनवासी पुत्र नन्दा बनवासी उम्र करीब 36 वर्ष निवासी ग्राम गोसाईपुर थाना चोलापुर वाराणसी सम्बन्धित वारटं मु0न0 7322/12 धारा 323/504 भादवि0 4. तहसीलदार पुत्र छोटेलाल राजभर उम्र करीब 35 वर्ष निवासी ग्राम धरसौना थाना चोलापुर वाराणसी संबन्धित वारंट मु0न0 1967/2018 धारा 323/504/506 भादवि 5. विजय गुप्ता पुत्र काशीनाथ गुप्ता उम्र करीब 26 वर्ष निवासी ग्राम कटारी थाना चोलापुर वाराणसी संबंधित परिवाद सं0 15/20 तथा वारंटी 6. गोपाल राजभर पुत्र छोटेलाल राजभर उम्र करीब 40 वर्ष निवासी ग्राम धरसौना थाना चोलापुर वाराणसी सम्बन्धित वारंट मु0न0 1967/18 धारा 323/504/506भादवि को घर से पुलिस हिरासत मे लिया गया। आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी।

कानपुर के रियल स्टेट कारोबारी मनीष गुप्ता हत्याकांड का जौनपुर से जुड़ा तार

हत्याकांड में फरार चल रहे आरोपित उप निरीक्षक की तलाश में एसआईटी की छापेमारी, फरार चल रहे इनामी दरोगा के परिवार वालों से पुलिस टीम ने घंटों देर तक पूछताछ की

प्रखर जौनपुर। कानपुर के रियल स्टेट कारोबारी बर्रा 3, जनता नगर निवासी मनीष गुप्ता हत्याकांड के तार जौनपुर जनपद से जुड़ गए हैं। इस हत्याकांड में शामिल फरार चल रहे एक लाख के इनामी जौनपुर निवासी उप निरीक्षक विजय कुमार यादव की तलाश में एसआईटी की स्पेशल टीम उसके पैतृक आवास, उसके ससुराल व कुछ अन्य रिश्तेदारों के यहां शनिवार को पूरे दिन ताबड़तोड़ छापेमारी की।

एसआईटी व गोरखपुर की स्पेशल टास्क फोर्स ने जौनपुर के बक्शा थाना क्षेत्र के चितौड़ी गांव निवासी उप निरीक्षक विजय कुमार यादव के घर ताबड़तोड़ छापेमारी कर उनके पिता दल सिंगार यादव से भी घंटों देर तक पूछताछ की। हालांकि उनके पिता ने बेटे से किसी प्रकार की बात होने से साफ इनकार किया लेकिन जांच टीम उनकी बातों पर भरोसा नहीं कर सकी। आखिरकार टीम ने उन्हें परिवार के कुछ खास लोगों के साथ बक्शा थाना में बुला कर जांच में लगे पुलिस के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों से भी उनकी

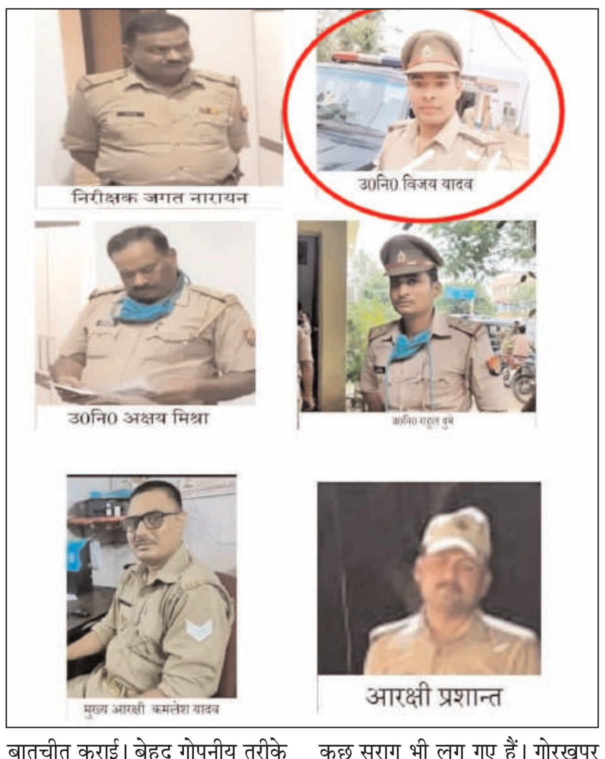

बातचीत कराई। बेहद गोपनीय तरीके से चल रही इस जांच पड़ताल और छापेमारी में पुलिस के हाथ काफी कुछ सुराग भी लग गए हैं। गोरखपुर के उक्त होटल में हुई घटना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दोषी पुलिसकर्मियों खिलाफ जैसे ही सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया, उसके तत्काल बाद प्रदेश पुलिस की स्पेशल जांच टीम ने सभी आरोपितों पर शिकंजा कस दिया है। आरोपित सभी छह पुलिस कर्मियों पर घोषित 25 , 25 हजार इनाम की राशि 24 घण्टे में बढ़ाकर एक, एक लाख रुपए कर दी गई है। क्योंकि निलंबित होने के बाद से ये सभी हत्या आरोपी फरार चल हैं।

गोरखपुर की घटना के बाद से प्रदेश पुलिस के रडार पर आए फरार चल रहे सभी 6 पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी की टीम ने पूर्वांचल के जनपद जौनपुर, मिजार्पुर, गाजीपुर और बलिया जिले में डेरा डाल दिया है। यह वही उपनिरीक्षक है जिसने इंस्पेक्टर जगत नारायण सिंह निवासी थाना मुसाफिरखाना जनपद अमेठी के साथ मिलकर गोरखपुर के होटल में कानपुर के रियल एस्टेट कारोबारी मनीष गुप्ता की पिटाई में सबसे अहम भूमिका निभाई थी।

घटना की जांच कर रही एसआईटी सदस्य तथा डीसीपी साउथ रवीना त्यागी ने इस प्रतिनिधि को बताया कि फरार चल रहे इंस्पेक्टर जगत नारायण सिंह के साथ अक्षय कुमार मिश्र निवासी थाना नरही जनपद बलिया, जौनपुर जनपद के बक्शा थाना क्षेत्र निवासी उप निरीक्षक विजय कुमार यादव के साथ राहुल दुबे निवासी थाना कोतवाली देहात जनपद मिजार्पुर, मुख्य आरक्षी कमलेश सिंह यादव निवासी थाना परिसर जनपद गाजीपुर और आरक्षी नागरिक पुलिस प्रशांत कुमार निवासी थाना सैदपुर जनपद गाजीपुर की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग छह पुलिस टीमें छापेमारी कर रही हैं। उन्होंने बताया कि फरार चल रहे इन सभी छह आरोपितों में कुछ के पूर्वांचल में होने का लोकेशन सर्विलांस की मदद से मिला है। इसके अलावा उनके कुछ अन्य नजदीकी रिश्तेदारों और मित्रों की भी मदद गोपनीय तरीके से ली जा रही है। जिसकी सटीक सूचना देने वाले को शासन से घोषित ईनाम की राशि चिन्हित अभियुक्तों के पकड़े जाने पर दी जाएगी।

थाना साइबर क्राइम ने अनाधिकृत निकासी के पैसे वादी को कराया वापस क्राइम टीम को दिया धन्यवाद

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। वादी नित्यानंद दीक्षित पुत्र श्री शीतला प्रसाद दीक्षित निवासी ग्राम राखी नेवादा, रैसीपुर, वाराणसी द्वारा अपने भारतीय स्टेट बैंक के क्रेडिट कार्ड से दिनांक 20/09/2021 को 90,157/- रुपए अनाधिकृत रूप से निकल जाने के संबन्ध में थाना - साइबर क्राइम वाराणसी पर प्रार्थना पत्र दिया गया था। जिस पर साइबर क्राइम थाना वाराणसी द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए दिनांक 09/10/2021 को वादी के क्रेडिट में संपूर्ण धनराशि 90,157/- रुपए वापस कराया गया। जिसपर वादी द्वारा लिखित तहरीर देकर त्वरित सहयोग व कार्यवाही के लिए थाना साइबर क्राइम टीम की भूरी-भूरी प्रशंसा कर धन्यवाद पत्र दिया । नि. राहुल शुक्ल प्रभारी निरीक्षक , उ.नि. सुनील कुमार यादव , हेड कांस्टेबल श्यामा लाल गुप्ता सहित साइबर सेल की टीम शामिल रहे।

बेरोजगार-किसान-मजदूर संवाद यात्रा के बाद सभा

प्रखर जौनपुर ।बेरोजगार-किसान-मजदूर संवाद यात्रा आगमन पर समाजवादी पार्टी कार्यालय पर आयोजित सभा को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव राघवेंद्र यादव ने कहा कि भाजपा अपनी साख खो चुकी है। वह झूठ का प्रशिक्षण केन्द्र बन गई है। जनता से वादे करके भूल जाना भाजपा का चरित्र हो गया है। यह जनता को धोखा देना है। डॉ0 राममनोहर लोहिया मानते थे कि वादाखिलाफी भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। इस हिसाब से भाजपा बड़ी भ्रष्टाचारी पार्टी है जिसने अपने संकल्प पत्र में किए गए वादे भी भुला दिए हैं। आखिर भाजपा अपने संकल्प पत्र को क्यों नहीं पूरा किया है? किसानों-नौजवानों -मजदूर के

लिए जो वादे किए गए क्यों भुला दिए गए किसान की न तो कर्जमाफी हुई, न उसे फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिला और नहीं किसान की आय दुगनी हुई? गन्ना किसान आज भी अपने बकाया के लिए परेशान घूम रहा है। नौजवान परेशान है उनसे 70 लाख नौकरियों का वादा किया गया वह सिर्फ वादा ही रहा है। प्रदेश में न नौकरियां हैं न नए उद्योग आ रहे हैं कि रोजगार पैदा हो। बल्कि जो उद्योग लगे हैं, वे भी बंद होने के कगार पर है। नौकरियां मांगने पर युवाओं पर लाठी पड़ती है। जन सामान्य पर पेट्रोल-डीजल के अलावा ईंधन गैस का भी बोझ लाद दिया हैं समाजवादी सरकार का काम पहले भी बोल रहा था, काम आगे भी बोलेगा।

सपा जिलाध्यक्ष सुजीत यादव उर्फ लक्कड़ पहलवान ने जिला कमेटी का किया विस्तार नवनियुक्त पदाधिकारियों की घोषणा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुजीत यादव उर्फ लक्कड़ पहलवान ने जिला कमेटी का विस्तार करते हुए नए पदाधिकारियों की घोषणा किया । भैयालाल पाल को जिला उपाध्यक्ष ,आशुतोष राय ,एड0 रामकुमार यादव राजू , रमेश यादव , आनन्द शर्मा , सुरेन्द्र राजभर को जिला सचिव के पद पर मनोनयन किया गया । जिलाध्यक्ष सुजीत यादव उर्फ लक्कड़ ने बताया संगठन का विस्तार बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। आगामी विधानसभा चुनाव में विजय के लिए कारवां बढ़ाया जा रहा है । युवजनसभा प्रदेश सचिव वरुण सिंह ने कहा

2022 में बेरोजगारी , महंगाई , भ्रष्टाचार ,अपराध के खिलाफ समाजवादी कुनबा बढ़ाया जा रहा है आगे भी यह क्रम चालू रहेगा । जिला महासचिव आंनद मौर्या और जिला उपाध्यक्ष राजेश यादव नत्थू ने बताया प्रत्येक बूथ पर प्रभारी की नियुक्ति करते हुए समीक्षा हेतु संगठन का विस्तार किया जा रहा है। संगठन विस्तार में प्रमुख रूप से सुजीत यादव उर्फ लक्कड़ , वरुण सिंह , आंनद मौर्या , राजेश यादव नत्थू , वीरेन्द्र यादव , रवि कुमार बिन्द उर्फ भानु , आशीष राय , सुरेन्द्र यादव ,उमेश सोनकर , नीरज सेठ , अजगरा विधानसभा अध्यक्ष बाबूलाल यादव , विनोद पिन्टू पाल सहित अन्य समाजवादी मौजूद रहे।

कश्मीर की घटना से आक्रोशित विहीप व बजरंग दल ने फूंका पुतला

प्रखर खुटहन जौनपुर। कश्मीर में आतंकियो के द्वारा एक स्कूल में हिन्दू शिक्षको की चुन चुनकर हत्या किए जाने से आक्रोशित विहिप व बजरंगदल के कार्यकताओं ने रविवार को स्थानीय चौराहे पर पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला जलाया। इस दौरान आतंक का पर्याय बने पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई। बजरंगदल के प्रखंड संयोजक बृजेश दूबे ने कहा कि कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद आतंकी गतिविधियों ने जोर पकड़ लिया है। वे बंदूक के बल पर तालिबानी शासन स्थापित करना चाह रहे है। उन्हें नहीं पता की भारत संवैधानिक व्यवस्था से चलने वाला देश है। सरकार को चाहिए की सुरक्षा में

तैनात जवानो को खुली छूट दे दे। ताकि इन्हीं की भाषा में इन्हें जवाब मिल सके। वहीं विहिप अध्यक्ष चंद्रभान गुप्ता ने कहा कि हमारा संगठन हिंदू समाज के साथ खुलकर खड़ा है। सरकार ने आतंकियो को मुंहतोड़ जवाब नहीं दिया तो विवश होकर विश्व हिंदू परिषद के हजारों कार्यकर्ता कश्मीर पहुँच उन्हें सबक सिखायेगे। इस मौके पर सह संयोजक गुलशन, सुनील मौर्या, सुजीत पाण्डेय, राजकुमार आदि मौजूद रहे।

अनियंत्रित स्कार्पियो उछलती नहर की पुलिया पर अटकी, तीन घायल

प्रखर चौबेपुर वाराणसी। वाराणसी से बिहार जा रही स्कार्पियो के ड्राइवर को झपकी आ जाने के कारण चौबेपुर के चन्द्रावती बाजार से निकलते ही सड़क किनारे

खड्ड में जाकर उछलती हुई मोलनापुर नहर के पुलिया पर जाकर लटक गई ।स्कार्पियो में सवार तीन लोग घायल हो गए ।घायलों को ग्रामीणों ने एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा ।संयोग रहा कि हर के पानी मे गाड़ी नही पलटी ।नहर के टँकी में पानी भरा हुआ था।

सिपाही पर युवती से अश्लीलता के आरोप के बाद ग्रामीणों का हंगामा, एसपी ने किया निलंबित

प्रखर पराऊगंज जौनपुर। पराऊगंज चौकी पर तैनात एक सिपाही पर छातीडीह गांव की एक छात्रा ने लगाया अश्लील हरकतें करने का आरोप हजारों की संख्या में पहुंचकर ग्रामीणों ने किया चौराहे समेत चौकी का किया घेराव। जानकारी के अनुसार एक गांव निवासी एक छात्रा ने लिखित तहरीर देते हुए चौकी पर तैनात सिपाही मानसिंह के ऊपर आरोप लगाया कि पिछले 10 दिनों से वह लगातार मुझसे छेड़छाड़ एवं जबरदस्ती मोबाइल नंबर देने तथा मोटरसाइकिल पर बैठाकर घुमाने ले जाने तथा मेरे साथअश्लील हरकतें करते हैं वही जब मैं मना करती रही तो लगातार मुझे भद्दी भद्दी गालियां भी देते हैं इस संबंध में जब मैंने अपने चाचा सुरेंद्र को बताया तो लड़की की बात को सुनकर परिवार वालों ने नाराज होकर ग्रामीणों की सहायता से आक्रोशित होकर न्याय की मांग की गुहार लेकर स्थानीय चौकी पराऊगंज एवं चौराहा का घेराव कर आवागमन ठप्प कर दिया और पुलिस प्रशासन हाय हाय का नारा देते हुए हजारों की संख्या में लोग इकट्ठा हो गए इस संबंध में पुलिस न्याय के लिए जलालपुर थाना जाना पड़ता है।आक्रोशित ग्रीमीणो को समझाने बुझाने के बाद लगभग एक घण्टे बाद जाम से झुटकारा मिला। उक्त आरक्षी

प्रशासन की ओर से शुभम तोड़े ने आक्रोशित भीड़ की मांग को सुनकर मौखिक बयान देते हुए कहा कि उक्त सिपाही को तत्काल सेवा से निलंबित किया जाता है जिसकी पुष्टि विधिक कार्रवाई द्वारा हो जाएगी वही पिछले 1 महीने से लगातार चौकी प्रभारी बिना शून्य पड़ी हुई है वही क्षेत्र की जनता मानसिंह के विरुध्द लगाये गये आरोप की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरक्षी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया व क्षेत्राधिकारी केराकत को प्रकरण की जांच कर, कठोरतम कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है ।

बिसौरी में पंचायत भवन पड़ा अधूरा,धीमी गति से हो रहा निर्माण कार्य जिम्मेदार हैं मौन

प्रखर पतरही जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम पंचायत बिसौरी में कई महीनों से पंचायत भवन का निर्माण कार्य है बन्द पंचायत भवन पड़ा है अधूरा पंचायत भवन का निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है बता दें कि पंचायत भवन इसलिए बनवाया जा रहा है कि मीटिंग, शादी व गांव में रहने की व्यवस्था नही है किसी को वो आसरा ले सकता है पंचायत भवन में लेकिन इसका निर्माण कार्य महीनों से बन्द है। और निमार्ण कार्य धीमी गति से करवाया जा रहा है। बताते चलें कि पंचायत भवन बना समूह की महिलाओं का आवास पंचायत भवन में समूह की महिलाएं रह रही हैं बड़ा सवाल यह है कि अगर इसमें समूह की महिलाएं रहेंगी तो ग्राम सचिवालय कहा चलेगा ।जिम्मेदार अधिकारी हैं मौन गौरतलब हो किउत्तर प्रदेश की ग्राम पंचायतों का अपना ग्राम

सचिवालय और पंचायत भवन होगा. इनमें गांव के लोगों को आसानी से सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ तो मिलेगा ही साथ में बैंकिंग की सेवा भी उपलब्ध होगी. सभी नवीन और अत्याधुनिक उपकरणों से युक्त ग्राम सचिवालय का भवन देखते ही बनेगा. इसमें जनसुविधा केन्द्र भी होगा और बैंकिंग की सेवा देने के लिये बीसी सखी भी बैठेंगी. ग्राम पंचायतों की कार्यप्रणाली को व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने के लिये प्रदेश सरकार बड़ी तेजी से काम कर रही है. सरकार ने जुलाई महीने में इसके लिये अगले 3 महीने में सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालय और ग्राम पंचायत भवनों की स्थापना के निर्देश भी दिये हैं. सरकार की इस पहल से गांव के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी. विकास कार्यों को गति मिलने के साथ ग्रामवासियों की समस्याएं पहले से कम समय में निस्तारित हो सकेंगी। लेकिन बिसौरी सहित पतरही, घुठ्ठा इन ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन का निर्माण कार्य महीनों से धीमी गति से चल रहा है। पंचायत भवन का काफी कार्य अधूरा पड़ा है। अगर जिम्मेदार अधिकारी ध्यान दे देते तो इसका निर्माण कार्य जल्द से जल्द खत्म हो जाता है। और ग्रामवासी कर पाते इस्तेमाल।

पवित्र असि नदी परिक्रमा यात्रा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 10 अक्टूबर दिन रविवार एक ऐसी यात्रा का गवाह बना जो सदियों पहले बन्द हो चुकी थी । पुर्व निर्धारित समय के अनुसार 7 बजे असि-गंगा संगम तट (संत रविदास घाट) पर पूजन अर्चन के पश्चत यात्रा आरम्भ हुई । यात्रियों का एक विशिष्ट दल इस पवित्र यात्रा पथ को ढूंढते हुए आगे बढ़ा जो अवसर वादी ताकतों के स्वार्थ की भेंट चढ़ चुका है । दुर्गम रास्तों से आगे बढ़ते हुए यात्री काशी विश्वनाथ और असि गंगा के नामों का जय घोष कर रहे थे। विशुद्ध धार्मिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिये की जाने वाली ये यात्रा कई मायने में महत्वपूर्ण है, जिसमें नदी संसकृति का संरक्षण, प्राचीन यात्राओं का प्रचार प्रसार और काशी को उसके मौलिक स्वरुप के अनुसार विकसित करने की कवायद को स्थापित करना हो सकता है । नवरात्रि में इस विशिष्ट यात्रा को करने के संदर्भ में पूछने पर नदी कार्यकर्ता कपींद्र तिवारी ने बताया कि "पुराणों में असि नदी के महात्म से जुड़ी ढेरों कथाएं शामिल हैं ?। जिसमें शम्भु-निशुंभ के वध के पश्चात माँ भगवती द्वारा अपना कटार फेंकने और उससे एक पवित्र जल धारा फूट पड़ने की कथा भी शामिल है । इसलिये ये यात्रा नवरात्रि में होती रही है ताकी माँ भगवती की कृपा प्राप्त हो सके"। ये चुनौती पूर्ण यात्रा विकास वाद के पैरोकारों से ये सवाल कर रही है कि

इन्सानों ने इस चकाचौंध में कितना कुछ खोया है। नदी परिक्रमा पथ न जाने कब के गायब हो चुके हैं ?। कहीं कहीं तो इसके उपर से ही पाट कर भवन निर्माण कर लिये गये हैं । विकास की आंधी और आधुनिकता का नशा समाज पर इस कदर छाया हुआ है कि वो सब कुछ रौद कर आगे बढ़ जाना चाहता है, कुछ ऐसा ही प्रतीत होता है जब हम असि नदी परिक्रमा पथ पर चल रहे होते हैं ।

संक्षिप्त खबरें

अति.प्रा.स्वा. अमिहित केंद्र पर लगाया गया मुख्यमंत्री आरोग्य मेला

प्रखर केराकत जौनपुर। अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमहित पर लगाया गया माननीय मुख्यमंत्री आरोग्य मेला उक्त मेले का फीता काटकर उद्घाटन करते श्री मोहन यादव एवं साथ में डॉ प्रमोद कुमार चौहान अशफाक अंसारी श्री अनिल कुमार साहू फार्मासिस्ट श्री प्रमोद कुमार लैब टेक्नीशियन श्री संतोष यादव आई टेक्नीशियन एवं अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे जिसमें डॉ प्रीति आयुष चिकित्सक अनुपस्थित मिली इनकी शिकायतें आए दिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत पर न आने की मिलती रहती हैं जब के आला अफसर से पूछा गया तो कुछ बताने को तैयार नहीं हुए आखिर किस ऊंची से रसूख के चलते महिला चिकित्सक अपनी ड्यूटी से नदारद कर रही हैं एवं माननीय मुख्यमंत्री जैसे महत्वपूर्ण एक दिवसीय कार्यक्रम में भी अनुपस्थित चल रही है अब देखना होगा जिले के जिला स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष जिलाधिकारी महोदय द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है।

रवि किशन की मैजूदगी में मनाया गया जन्मदिवस

प्रखर चंदवक जौनपुर। बीआरसी डोभी परिसर में भोजपुरी सिने स्टार व गोरखपुर से सांसद रवि किशन की उपस्थिति में विधायक दिनेश चौधरी का वरिष्ट व्यवसायी आशुतोष चौबे के नेतृत्व के में भाजपाइयों ने 60वीं जन्मतिथि मनाई। सांसद रवि किशन ने कहा की जो भी पार्टी के लिए कड़ी मेहनत कर जनता के बिच में हमेशा उपस्थित रहेगा और ईमानदारी से काम करेगा पार्टी उसी को चुनाव लड़ाएगी । मण्डल अध्यक्ष संजय पाण्डेय,संजय सिंह पिंटू सिंह ,अजित यादव,कमलेश गुप्ता,आदि लोग रहे।

अयोध्या में मंदिर निर्माण से संतो का भाजपा पर बढ़ा भरोसा

प्रखर खुटहन जौनपुर। अयोध्या तपस्वी जी की छावनी के पीठाधीश्वर रामानंदाचार्य स्वामी परमहंस आचार्य ने कहा कि भाजपा सरकार ने श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर की शुरूआत कराकर साधु संतो और हिन्दुओं का विश्वास जीत लिया है। भारत रामराज्य की तरफ बढ़ रहा है, इसे सरकार ने कार्यरूप में परणित कर दिखा दिया है। इसी के बल पर प्रदेश में आगामी 2022 में पुनः योगी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनना तय हो गया है। उक्त बातें स्वामी परमहंस ने शनिवार को अयोध्या से वाराणसी जाते समय पिलकिछा गोमती नदी तट पर स्थित प्राचीन राम जानकी मंदिर पर अपने अनुनायियो से बातचीत करते हुए कही। पूरी तरह से भाजपा के प्रचारक के रूप में दिखे स्वामी ने एक सधे हुए राजनेता की तरह अन्य पार्टियों पर हिंदुत्व बिरोधी होने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि हमारा जीवन हिंदू, हिंदी और हिन्दुस्तान के लिए समर्पित है। देश को हिंदू राष्ट्र घोषित करने के लिए हम और हमारा संत समाज अंतिम सांस तक संघर्ष जारी रखेगा। इस मौके पर जुटे उनके अनुनायियो ने उन्हें तुलसी का बृक्ष भेंट किया।

कश्मीर में हुए दुःखद घटना के विरोध में कैंडल मार्च

प्रखर दानगंज वाराणसी। भारतीय जनता युवा मोर्चा व भारतीय जनता पार्टी मण्डल चोलापुर के समस्त कार्यकताओं द्वारा व हिन्दू युवा वाहिनी के द्वारा कश्मीर में हुवे दुखद घटना के विरोध में कैंडक मार्च दनगंज बाजार में किया गया जिसमें मुख्य रुप से प्रदेश मंत्री हिंदू जागरण मंच गौरीश सिंह ,जिला उपाध्यक्ष हिंदू जागरण मंच मनोज पांडे ,राहुल चौबे बीजेपी मीडिया प्रभारी चोलापुर

अंशु बरनवाल, संपूणार्नंद त्रिपाठी महामंत्री , राजीव पांडे ,बीजेपी चोलापुर मंडल महामंत्री प्रमोद पांडे सुजीत सिंह ग्राम प्रधान महमूदपुर राजीव पांडे ,विनय सिंह युवा मोर्चा ,उपाध्यक्ष चोलापुर अभिनय चौबे ,केराकत विधानसभा आईटी सेल राजकमल पांडे ,पंकज पांडे हिंदू युवा मंच ब्लॉक महामंत्री आदेश चौबे लोग मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं